नरसिंहपुर, मंडला, भोपाल, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-11 अंक-143 ● नरसिंहपुर ● गुरुवार , 12 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 2 ● विक्रम संवत् 2083

हंसकर काम करो ताकि मन हल्का रहे। तनाव के साथ काम आगे नहीं बढ़ता।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26- रिवरफ्रंट में रीवा अव्वल, 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में उज्जैन ने मारी बाजी

जबलपुर ने रचा इतिहास, देश में हासिल किया दूसरा स्थान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में प्रदान किया राष्ट्रीय सम्मान



जबलपुर, यशभारत। स्वच्छता के क्षेत्र में संस्कारधानी जबलपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। स्वच्छता सर्वेक्षण में देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल कर जबलपुर ने अपनी अलग पहचान बनाई है। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जबलपुर को द्वितीय स्थान का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, तत्कालीन निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार और वर्तमान निगमायुक्त अग्रिम कुमार ने ग्रहण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर महापौर और दोनों निगमायुक्तों सहित नगर निगम की पूरी टीम को बधाई दी है। इंदौर और देपालपुर ने अपनी श्रेणी में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, वहीं 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में जबलपुर ने भी दूसरा स्थान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

दूसरी ओर, 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों में उज्जैन देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है, जबकि 50 हजार से 3 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देवास ने पहला स्थान हासिल किया है। रिवर फ्रंट श्रेणी में रीवा को देश में नंबर-1 का स्थान मिला है। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विजेता शहरों के प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए।

जबलपुर की यह सफलता एक दिन की मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार किए गए प्रयासों और बेहतर सफाई व्यवस्था का नतीजा है। कभी स्वच्छता सर्वेक्षण में 22वें स्थान पर रहने वाला शहर पहले 13वें, फिर पांचवें और अब दूसरे स्थान तक पहुंच गया है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने पदभार संभालने के समय जबलपुर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने का संकल्प लिया था। इस लक्ष्य को लेकर नगर निगम ने सफाई व्यवस्था से लेकर कचरा प्रबंधन तक कई स्तरों पर बदलाव किए।

वेस्ट टू एनर्जी प्लांट से कचरे का वैज्ञानिक निष्पादन

शहर की स्वच्छता में वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। नवंबर-दिसंबर 2025 में प्लांट का संचालन शुरू किया गया। इसके बाद जनवरी से मार्च 2026 के बीच करीब 3.5 लाख टन कचरे की प्रोसेसिंग की गई। वहीं, पुराने कचरे के ढेरों को हटाकर लगभग 17 एकड़ जमीन को कचरा मुक्त कराया गया। इससे कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण काम हुआ।

थ्री-आर सेंटरों ने दिखाई पुनः उपयोग की राह

नगर निगम ने कचरे को कम करने और उपयोगी वस्तुओं का दोबारा इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए थ्री-आर सेंटर विकसित किए। यहां बुक बैंक, खिलौना बैंक और कपड़ा बैंक जैसी व्यवस्थाएं शुरू की गईं। इनके माध्यम से अनुपयोगी वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की पहल की गई। इसके अलावा सड़कों, डिवाइडरों और नालियों की सफाई एवं व्यवस्था सुधारने पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

रात में भी चलती रही सफाई, सुबह छह बजे से निरीक्षण

शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नाइट स्वीपिंग को प्रभावी किया गया। प्रमुख मार्गों और व्यस्त इलाकों में रात के समय सफाई कराई गई। वहीं, निगमायुक्त सुबह छह बजे से ही मैदानी निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की निगरानी करते रहे। अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करने के साथ नियमित मॉनिटरिंग की गई। सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ स्पॉट फाइन और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई की गई।

महापौर बोले- अब देश में नंबर वन बनाना लक्ष्य

इस उपलब्धि पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि 22वें स्थान से दूसरे पायदान तक पहुंचना पूरे शहर की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। इसमें शहरवासियों, सफाई मित्रों, जनप्रतिनिधियों और नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार केवल नगर निगम का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे संस्कारधानी परिवार का गौरव है। इस उपलब्धि को शहर के प्रत्येक नागरिक को समर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि अब जबलपुर को देश का नंबर वन स्वच्छ शहर बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

समारोह में निगमाध्यक्ष रिंकू विज, अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। नगर निगम की इस उपलब्धि ने जबलपुर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है।



कुलगाम में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला, तीन जवान घायल

बाइक सवार हमलावरों ने 15 सेकेंड में की करीब 30 राउंड फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज आया सामने

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हुए सीआरपीएफ के अखरान कैंप पर हमला कर दिया। बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में तीन जवान घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और हमलावरों की तलाश में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।



जानकारी के मुताबिक, हमला दोपहर करीब 2.15 बजे हुआ। उस समय सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन के जवान अखरान कैंप के पास नाका ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान बाइक सवार हमलावर वहां पहुंचे और जवानों पर गोलियां बरसाने लगे। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमले में हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो तथा राकेश दास घायल हुए हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है।

हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हमलावर करीब 15 सेकेंड के भीतर लगभग 30 राउंड फायरिंग करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अचानक गोलियां चलने और जवानों के बीच अफरा-तफरी की आवाजें सुनाई दे रही हैं। घटना के बाद वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायल जवानों का हाल जाना और हमले की जानकारी ली।

कुलगाम दक्षिण कश्मीर का संवेदनशील जिला है। इससे पहले भी इस क्षेत्र में आतंकियों की गतिविधियां सामने आती रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 से अब तक 548 आतंकी घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन घटनाओं में 45 जवान शहीद हुए हैं, जबकि 138 आतंकी मारे गए हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हमले में शामिल लोगों की पहचान और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने में जुटी हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत बिगड़ी, एम्स में भर्ती



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की बुधवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ गई। मॉर्निंग वॉक के दौरान वे बेहोश होकर गिर पड़े। सुरक्षाकर्मी उन्हें तत्काल उनके आवास पर लेकर पहुंचे, जहां कुछ मिनट तक वे बेहोश रहे। इसके बाद मेडिकल टीम ने प्राथमिक जांच की और उन्हें एम्बुलेंस से दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पहुंचाया गया। 75 वर्षीय धनखड़ को एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनका इलाज कार्डियोलॉजी विभाग में चल रहा है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। जानकारी के अनुसार, धनखड़ के आवास पर पहुंचने के बाद एम्स की मेडिकल टीम और डॉक्टर संदीप सेठ ने उनकी जांच की थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि धनखड़ को पहले भी हृदय संबंधी परेशानी हो चुकी है। मार्च 2025 में अचानक चक्कर आने, घबराहट और सीने में जकड़न की शिकायत के बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने उनके हृदय में स्टेंट डाला था। धनखड़ अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति रहे थे।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

गंगोत्री,यशभारत। उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री धाम के कपाट 10 नवंबर को दोपहर 12:05 बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। कपाट बंद होने के साथ ही मां गंगा की उत्सव डोली सेना के बैंड की मधुर धुनों के बीच शीतकालीन प्रवास के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को पांच क्विंटल फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिर के कपाट इस वर्ष 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले गए थे। कपाट बंद होने के अवसर पर गंगोत्री धाम में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। सुबह करीब 200 श्रद्धालु धाम में मौजूद थे, लेकिन कपाट बंद होने से पहले इनकी संख्या बढ़कर एक हजार से अधिक हो गई। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं में मां गंगा के अंतिम दर्शन को लेकर खासा उत्साह रहा। धाम में सुबह का तापमान शून्य से 10 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दिन के समय भी पारा माइनस 2 से 3 डिग्री के बीच बना रहा। मंदिर समिति के अनुसार, इस वर्ष यात्रा सीजन के दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गंगोत्री धाम पहुंचकर मां गंगा के दर्शन किए।

यूपी के 15 शहरों में घना कोहरा, दिल्ली की हवा बेहद खराब, बिहार में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दिवाली के बाद से उत्तर प्रदेश के कई शहरों में कोहरा और धुंध का असर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह संभल, हापुड़, बिजनौर और शामली समेत प्रदेश के 15 शहर घने कोहरे की चपेट में रहे। सुबह के समय दृश्यता कम होने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। हरदोई में न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री और बरेली में 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ये प्रदेश के सबसे ठंडे शहरों में रहे। बिहार में मौसम का मिला-जुला रुख बना हुआ है। सुबह और रात के समय हल्की ठंड महसूस हो रही है, जबकि दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का एहसास हो रहा है। इस बीच मौसम विभाग ने जमुई, मुंगेर और बांका समेत पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में मौसम बदलने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने चिंता बढ़ा दी है। बुधवार सुबह करीब 6:30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 322 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

राजीव गांधी की सुरक्षा को लेकर राहुल ने जताई थी आशंका

कहा था- सुरक्षा नहीं बढ़ी तो पिता के अंतिम संस्कार में आना पड़ेगा-सोनिया गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग्स- ए जर्नी ऑफ लव' में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या से पहले उनकी सुरक्षा को लेकर उठी चिंताओं का खुलासा किया है। सोनिया ने लिखा है कि राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी की हत्या की आशंका थी। मार्च 1991 में अमेरिका लौटने से पहले राहुल ने कहा था कि यदि पिता की सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो उन्हें जल्द ही उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए घर लौटना पड़ेगा। सोनिया गांधी के मुताबिक, उस समय राजीव गांधी की जान पर खतरा लगातार बढ़ रहा था, लेकिन उनकी सुरक्षा व्यवस्था कमजोर कर दी गई थी। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी उनकी जान को खतरा बना हुआ था और उन्हें पहले जैसी सुरक्षा नहीं मिल रही थी। सोनिया गांधी की किताब मंगलवार को बाजार में आई है। किताब के कवर पर लगी तस्वीर को राजीव गांधी ने 1986 में क्लिक किया था। इसमें सोनिया ने मार्च 1991 की उस घटना का जिक्र किया है, जब ईस्टर की छुट्टियों के दौरान राहुल अमेरिका से भारत आए थे। उस समय राहुल पढ़ाई के सिलसिले में अमेरिका में रह रहे थे। उन्होंने अपने पिता के साथ बिहार दौरे पर जाने की जिद की। इस दौरे के दौरान राहुल ने जो कुछ देखा, उससे वह बेहद परेशान हो गए। राजीव गांधी जिस खुली जीप में सफर कर रहे थे, उस पर विपक्षी दल के कार्यकर्ताओं ने पत्थर और ईंटें बरसाईं। यह सब स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में हो रहा था, लेकिन पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। उन्होंने न तो राजीव गांधी को बचाने का प्रयास किया और न ही हमले को रोकने के लिए कोई कदम उठाया। राहुल ने इस घटना के बाद पिता की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। सोनिया ने किताब में लिखा है कि 1984 में प्रधानमंत्री बनने के समय से ही राजीव गांधी को तीन आतंकवादी संगठनों से खतरा था। इन खतरों की जानकारी सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों को भी थी। सोनिया के मुताबिक, दिसंबर में हुई एक समिति की बैठक में फैसला लिया गया था कि राजीव गांधी को मिलने वाली विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) की सुरक्षा जारी रखी जाएगी। इसमें बदलाव तभी किया जाना था, जब नए सिरे से खतरे का आकलन करने के बाद इसकी जरूरत महसूस होती। इसके बावजूद वीपी सिंह सरकार ने अगले ही महीने राजीव गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटा दी।



पटाखे के ऊपर रखी स्टील की गिलास धमाके से उछली ,बच्चे के पेट में घुसी

उमरिया , यशभारत। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरती गई एक छोटी सी लापरवाही नौ वर्षीय बच्चे के लिए जानलेवा साबित होते-होते बची। बिरसिंहपुर पाली नगर के वार्ड क्रमांक 10 में में जा लगी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि उसके पेट में गहरा घाव हो गया और अंदरूनी अंग तक दिखाई देने लगे। गंभीर हालत में बच्चे को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शहडोल रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार शाम की है। वार्ड क्रमांक 10 निवासी सौकी बसोर का नौ वर्षीय बेटा हिमांशु घर के आंगन में पटाखे जला रहा था। इसी दौरान उसने पानी पीने के लिए रखी स्टील की गिलास जलते हुए पटाखे के ऊपर रख दी। बच्चे को अंदाजा नहीं था कि धमाके के दबाव से गिलास इतनी तेज गति से उछल सकती है। जैसे ही पटाखा फूटा, धमाके के कारण स्टील की गिलास हवा में उछलकर सीधे हिमांशु के पेट से जा टकराई। टक्कर से उसके पेट में गहरा घाव हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। केंद्र लेकर पहुंचे।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी, टॉयलेट में मिला नोट

कोलकाता-मुंबई विमान में 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे सवार

पायलट ने एटीसी को दी सूचना, आइसोलेशन बे में भेजकर शुरू की गई जांच

कोलकाता,एजेंसी। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट में बुधवार सुबह हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के टॉयलेट में धमकी भरा नोट मिलने के बाद चालक दल ने तत्काल पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने बिना देर किए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में भेज दिया गया, जहां सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। घटना के समय विमान में 93 यात्री और पांच क्रू मेंबर सहित कुल 98 लोग सवार थे।



जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया का एयरबस ए320नियो विमान बुधवार सुबह कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को विमान के टॉयलेट में एक नोट मिला, जिसमें विमान को हाईजैक करने की धमकी दी गई थी। नोट मिलने के बाद चालक दल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पायलट को सूचित किया। पायलट ने तत्काल एटीसी को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया, ताकि उसकी विस्तृत जांच की जा सके। सुरक्षा एजेंसियां नोट की सत्यता और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुट गई।



असम में इंजन समेत छह बोगी पटरी से उतरीं, 50 यात्री घायल

कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस डेड एंड के बैरियर से टकराई, लोको पायलट का वीडियो वायरल, बोले- सिग्नल रेड है, ब्रेक काम नहीं कर रहे

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के कामरूप जिले में बुधवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में करीब 50 यात्रियों के घायल होने की स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है, हालांकि रेलवे की ओर से सभी यात्रियों के सुरक्षित होने की बात कही गई है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और रेलवे कर्मचारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 6.54 बजे डिगारू स्टेशन पर हुआ। ट्रेन को दूसरी रेल लाइन पर ले जाने के दौरान उसकी गति कम नहीं हो सकी और वह रेलवे ट्रैक के अंतिम छोर पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के साथ पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कुछ डिब्बे दूसरे ट्रैक और आसपास की जमीन पर जा टिके। इस हादसे से पहले का लोको पायलट का करीब 45 सेकेंड का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में लोको पायलट इंजन के कंट्रोल पैनल के सामने दिखाई दे रहे हैं। वे कहते सुनाई दे रहे हैं कि सिग्नल रेड है और इमरजेंसी सिस्टम लगाने के बावजूद कुछ काम नहीं कर रहा है। उन्होंने ब्रेक सिस्टम में खराबी की आशंका जताते हुए कहा कि एस-9 और आर-9 भी काम नहीं कर रहे हैं। यह वीडियो सामने आने के बाद हादसे के कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

आनंद से अनुज तक 100 भारतीय चेस ग्रैंड मास्टर्स का सुहाना सफर

देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स का ताज,मप्र के पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा

जबलपुर, यशभारत। सन् 2026 की दीपावली भारतीय शतरंज के इतिहास के लिये सुनहरा इतिहास लिख गई। इस दिन मध्यप्रदेश के युवा शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने न केवल स्वयं के लिये ग्रेंड-मास्टर का खिताब अर्जित किया, वरन देश के 100 वें ग्रेंड-मास्टर्स बनने को गौरव भी प्राप्त किया। वे मध्यप्रदेश के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने ग्रेंड-मास्टर्स के मामले में मध्यप्रदेश के सूखे को समाप्त कर दिया। इससे पहले मध्य प्रदेश के नाम पर एक भी ग्रैंड मास्टर दर्ज नहीं था।

यूँ तो शतरंज का इतिहास बहुत पुराना है। कुछ लोग तो भारत को शतरंज का जनक भी मानते हैं। लेकिन आधुनिक शतरंज के खेल में भारत वर्षों तक गुमनामी के अंधेरे में रहा। कहने को भारत में शतरंज तो खेला जाता रहा लेकिन कोई विशेष उपलब्धि दर्ज नहीं थी। सन् 1988 में भारतीय शतरंज का सूर्य विश्व-पटल पर उदय हुआ, यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी। इस वर्ष तमिलनाडु के विश्वनाथन आनंद (विशु) ने ग्रेंड-मास्टर का टाइटल प्राप्त किया। वे भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने। लेकिन वे यहीं नहीं रुके, वरन 5 बार विश्व चैम्पियन बन कर ऐसा इतिहास रचा जिसे विश्व अब भी गौरव के साथ याद करता है। । सच कहें तो उनके शिखर पर पहुंचने के बाद देश में शतरंज का जुनून पैदा हुआ, लेकिन सन् 2000 तक भारत के झोली में आनंद के अलावा सिर्फ दिव्येंदु बरुआ (1991) तथा प्रवीण थिप्से (1997) ही ग्रेंड-मास्टर थे। तब तक शतरंज के दुनिया में सोवियत रूस, अमेरिका जैसे देशों की तूती बोलती थी। तब तक जर्मनी भी अपना दबदबा बना चुका था। सन 2000 के बाद भारतीय शतरंज ने थोड़ी रफ्तार पकड़ी। महिला खिलाड़ी भी अपना दमखम दिखाने लगीं। 2002 में कोनेरू हम्पी ने अपना ग्रेंड-मास्टर खिताब जीतकर सनसनी फैला दी। फिर द्रोणावली हरिका ने कमाल कर दिखाया। भारतीय शतरंज का यशस्वी दौर तो सन 2010 के बाद शुरू हुआ। जब एक के बाद एक नये शतरंज खिलाड़ी विश्व पटल पर धूम मचाने लगे । आज की स्थिति में डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद, अर्जुन एरिगैसी, विदित गुजराती जैसी अनेक प्रतिभाएं हैं, जिसके सामने विश्व स्तरीय खिलाड़ भी चकरा जाते हैं। डी. गुकेश ने तो विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने का नया इतिहास रच दिया। भारत के शतरंज इतिहास ने किस कदर गति पकड़ी है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगता है कि भारत के 50 ग्रेंड मास्टर्स बनने में 30 साल लग गए, वही 50 से 100 ग्रेंड मास्टर्स बनने में सिर्फ 8 साल ही लगे। आज भारत चौथा ऐसा देश है जहां 100 से ज्यादा ग्रेंड मास्टर मौजूद हैं। पहले नंबर पर रूस है, जिसके खाते में 185 जीएम(ग्रेंड-मास्टर) दर्ज हैं । दूसरे स्थान पर अमेरिका है, जिसके 110 से ज्यादा खिलाड़ी यह खिताब पा चुके हैं। जर्मनी का आंकड़ा भारत के नजदीक ही हैं, इनके पास 103 ग्रेंड मास्टर हैं। इस दीपावली की रात भारत ने भी 100 का जादूई आंकड़ा छू लिया। मध्यप्रदेश के 22 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अनुज श्रीवात्री ने 7 वें ASEAN प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप 2026 में खिताब जीता। उन्होंने आस्ट्रेलिया के मोरिस जेम्स को हराकर भारत के लिए 100 वें ग्रेंड-मास्टर का खिताब दिलाया। उनकी यह उपलब्धि जहां देश को गौरवान्वित करती है वहीं मध्यप्रदेश के लिये इतिहास गढ़ती है। यूँ तो मध्यप्रदेश के खाते में इंटरनेशनल खिलाड़ी (आईएम) तो हैं, लेकिन ग्रेंड मास्टर का खाता खोलने का रिकार्ड अनुज के नाम दर्ज हुआ।मध्यप्रदेश में अनुज के पीछे आयुष शर्मा रखें हैं। जिन्होंने जीएम के नॉर्म्स (Norms)तो प्राप्त कर लिए, लेकिन खिताब प्राप्त करना शेष है।



अनुज जबलपुर के वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के साथ

जबलपुर-कटनी से है गहरा नाता

जहां तक अनुज श्रीवात्री का सवाल है, उनका जन्म जबलपुर से गहरा नाता है। अनुज का जन्म निकटवर्ती कटनी जिले में हुआ है, लेकिन उन्होंने अपनी प्रारंभिक चेस की कोचिंग जबलपुर में प्राप्त की। वे वरिष्ठ कोच राजेश बहादुर के पास वर्षों तक सीखते रहे हैं। प्रारंभिक दौर में वे कई बार जबलपुर में शतरंज के टूर्नामेंट में शामिल होने आते रहे हैं। अब अनुज का परिवार भोपाल में बस गया है, किन्तु उनके पिता अशोक श्रीवात्री जबलपुर में पदस्थ हैं।

खामोश जंगल, खौफनाक अंतः साढ़े तीन महीने से लापता युवती का जंगल में मिला कंकाल, मौत की गुत्थी बरकरार

कपड़ों और चप्पल से परिजनों ने जताई पहचान, डीएनए जांच से खुलेगा राज; गांव से आठ किलोमीटर दूर मिला मानव कंकाल



सतना। करीब साढ़े तीन महीने पहले घर से लापता हुई 26 वर्षीय रानी मवासी की तलाश का एक दर्दनाक मोड़ सामने आया। रैगांव क्षेत्र के ललचहा जंगल में एक मानव कंकाल मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया।

घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने वहां मिले कपड़ों और चप्पल के आधार पर कंकाल को रानी का बताया है। हालांकि, अभी उसकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इसके लिए पुलिस ने वैज्ञानिक जांच का सहारा लिया है।

जानकारी के मुताबिक, चकर गांव निवासी रानी मवासी पिता छक्कौड़ी 30 जुलाई को घर से निकली थी, लेकिन फिर वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की थी। परिजन भी अपने स्तर पर लगातार उसे खोज रहे थे। बताया गया है कि रानी चार बहनों में से एक थी और मानसिक रूप से अस्वस्थ थी।

चकर गांव से करीब आठ किलोमीटर दूर ललचहा के जंगल में कंकाल मिलने की जानकारी सामने आई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ मौके पर पहुंच गई। पुलिस की मौजूदगी में परिजनों ने कंकाल के आसपास मिले कपड़ों और चप्पल को देखकर रानी के होने की आशंका जताई। इसके बाद पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर परीक्षण के लिए सतना भिजवा दिया।

वैज्ञानिक जांच से होगी पहचान की पुष्टि

पुलिस के मुताबिक, केवल कपड़ों और चप्पल के आधार पर कंकाल की पहचान को अंतिम नहीं माना जा सकता। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक विशेषज्ञ इसकी जांच करेंगे। जरूरत के अनुसार डीएनए परीक्षण और अन्य वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के जरिए यह स्पष्ट किया जाएगा कि कंकाल रानी मवासी का ही है या नहीं। साथ ही परीक्षण से मौत से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद है।

आठ किलोमीटर दूर जंगल पहुंचने की परिस्थितियां बनीं सवाल

रानी के घर से लापता होने और करीब आठ किलोमीटर दूर जंगल में कंकाल मिलने के बीच की कड़ी फिलहाल स्पष्ट नहीं है। वह जंगल तक कैसे पहुंची, उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई और इस दौरान उसके साथ क्या हुआ, इन सवालों के जवाब अभी जांच के दायरे में हैं। फिलहाल पुलिस वैज्ञानिक परीक्षण की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



कान्हा रिजर्व में बाल उद्यान का शुभारंभ बाल मित्र निभाएगा सुरक्षा का दायित्व

ग्रामीणों की सुविधा के लिए सोलर स्ट्रीट लाइट भी स्थापित

मंडला, यशभारत। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन द्वारा वन एवं वन्यजीव संरक्षण में ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा स्थानीय समुदायों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इको विकास समितियों के माध्यम से ग्रामीणों से सतत संवाद स्थापित कर उनके प्रस्ताव एवं आवश्यकताओं के अनुरूप ग्राम विकास के कार्य किए जा रहे हैं। रवीन्द्र मणि त्रिपाठी, क्षेत्र संचालक, कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा इको विकास समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में बाल उद्यान का शुभारंभ कर इसे बच्चों को समर्पित किया गया। उद्यान की नियमित देखरेख एवं सुरक्षा का दायित्व कान्हा बाल मित्र दल द्वारा निभाया जाएगा। ग्राम विकास एवं ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उद्यान की स्थापना के साथ ही ग्राम तक पहुंच मार्ग में सोलर स्ट्रीट लाइट भी लगवाई गई हैं, जिससे रात्रि के समय ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर पर आशीष पाण्डेय, सहायक संचालक सिझोरा, सुनील पन्द्रे, सहायक संचालक मलाजखंड, अभिषेक दुबे, परिक्षेत्र अधिकारी सिझोरा, श्री प्रिवेश बराड़े, परिक्षेत्र अधिकारी गढ़ी, सुश्री पूजा बघेल, परिक्षेत्र अधिकारी मोतीनाला सहित अन्य अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन की यह पहल वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, बच्चों को सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराने तथा वन विभाग एवं स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास और सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भीषण हादसाः झंडा चौक के पास मकान में लगी भीषण आग

सागर, यशभारत। शहर के गोपालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत झंडा चौक के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब एक रिहायशी मकान में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।



आग लगने का सटीक कारण फिलहाल अज्ञात बताया जा रहा है।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। सूचना मिलते ही गोपालगंज थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीमें दलबल के साथ मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों द्वारा मुस्तैदी के साथ आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक स्तर पर आग से हुए कुल नुकसान और किसी जनहानि या हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के बाद आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी।

धधकती दुकान, लाचार व्यापारी
छिपते नजर आए नगर परिषद अध्यक्ष



रीवा। दिवाली के दिन और दूसरे दिन मप्र में बड़े अग्निकांड हुए। फिर भी प्रशासन ने अव्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं किया। दमकल की गाडियों को ठीक नहीं किया गया। इसी का खामियाजा चाकघाट के एक व्यापारी अशोक गुप्ता को भुगतना पड़ा। अशोक गुप्ता व्यापारी मंडल के उपाध्यक्ष हैं। उनकी फर्नीचर की दुकान है। यह दुकान अशोक फर्नीचर गोलू के नाम से संचालित है। देखते ही देखते फर्नीचर दुकान में आग लग गई। आग देखते ही देखते विकराल हो गई। आग में सब कुछ जल कर राख हो गया। पूरी दुकान जल गई। दुकान में कुछ नहीं बचा। इसके बाद यह आग घर तक पहुंच गई। घर पीछे ही बना था। तीन मंजिला घर था। घर में आग पहुंचते ही तेजी से बढने लगी। हालांकि इस दौरान घर के सभी सदस्य बाहर निकल आए थे। किसी तरह की जनहानी नहीं हुई। करीब चार घंटे पूरा दुकान और मकान आग में धधकता रहा लेकिन काबू नहीं पाया जा सका। शाम चार बजे के आसपास जब यूपी नारीबारी से मदद पहुंची तब लोगों ने राहत की सांस ली। आग पर काबू पाया जा सका। आग लगते ही सबसे पहले नगर परिषद चाकघाट से मदद मांगी गई। पता चला कि चाकघाट फायर ब्रिगेड की गाड़ी खराब है। इसके बाद त्योंथर से मदद मांगी गई। एक घंटे बाद गाड़ी पहुंची। उसमें भी पानी पूरा नहीं भरा था। आधा टैंक लेकर पानी पहुंचे थे। आग बुझ भी नहीं पाई थी कि पानी ही खत्म हो गया। टैंकर वापस लौट गया। इसके बाद नारीबारी से संपर्क किया गया। नारीबारी से एक दमकल की गाड़ी दोपहर करीब साढ़े तीन बजे पहुंची। तब जाकर आग पर काबू पाया गया। इसके बाद हालांकि डभौरा नगर परिषद से भी गाड़ी पहुंच गई थी। दुकानदार को लाखों का नुकसान हुआ। मिठाई दुकान में ली शरण इस नुकसान से दुकानदार तो आक्रोशित था ही पूरे बाजार के व्यापारियों का भी गुस्सा भड़का हुआ था। जैसे ही नगर परिषद के अध्यक्ष विभव जायसवाल और सतीश केशरवानी उपाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। सभी ने घेर लिया। अध्यक्ष को तो मौके से भागना तक पड़ गया। उन्हें जान बचाने के लिए एक मिठाई दुकान में शरण लेनी पड़ी। व्यापारियों का गुस्सा असमान पर था। वह प्रशासनिक लापरवाही को लेकर आक्रोशित नजर आए।

गौ-आधारित उत्पाद एवं जैविक खेती से बढ़ेगी किसानों की आय



मंडला, यशभारत। स्थानीय संसाधनों को रोजगार एवं आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से पूरा सोशल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड एवं भीमकुंड एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के देवलापार, नागपुर एवं रामटेक का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान गौ-आधारित उत्पाद, जैविक खाद, प्राकृतिक कीट नियंत्रक, औषधीय वाटिका तथा किसानों एवं महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की ब्रांडिंग एवं विपणन व्यवस्था का अवलोकन किया गया। साथ ही पारंपरिक ज्ञान के डिजिटल पंजीयन एवं दस्तावेजीकरण की जानकारी प्राप्त की गई। भ्रमण से प्राप्त अनुभवों के आधार पर मंडला में गौ-आधारित उत्पाद, जैविक आदान, औषधीय वाटिका एवं हाट आधारित विपणन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे किसानों, गौपालकों, महिलाओं एवं युवाओं की आयवृद्धि तथा आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

तीन साल तक भटक रहे अज्ञात बुजुर्ग ने तोड़ा दम

मंडला, यशभारत। विकास की दौड़ में आगे बढ़ते समाज के सामने नैनपुर की एक घटना ने ऐसा सवाल खड़ा कर दिया है, जिसका जवाब तलाशना हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए जरूरी है। आखिर उम्र के अंतिम पड़ाव पर पहुंचने वाले बेसहारा बुजुर्गों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? नगर में करीब तीन वर्षों से भटककर जीवन गुजार रहे एक अज्ञात वृद्ध की अस्पताल में मृत्यु हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार बुजुर्ग कभी रेलवे स्टेशन, कभी बस स्टैंड तो कभी खुले मैदान में रात गुजारते दिखाई देते थे। उनकी पहचान और पारिवारिक पृष्ठभूमि की जानकारी सामने नहीं आ सकी। जिस समय दीपावली के अवसर पर घरों में खुशियां मनाई जा रही थीं, उसी दौरान नैनपुर में एक बेसहारा वृद्ध की जिंदगी समाप्त हो गई। इस घटना ने सामाजिक संवेदनाओं के साथ ही जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए उपलब्ध सहायता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, 5 नवंबर को नैनपुर नागरिक मंच को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के समीप मैदान में स्थित शिव मंदिर के पास एक अज्ञात वृद्ध अत्यंत कमजोर अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही नागरिक मंच के सदस्य मौके पर पहुंचे। वहां वृद्ध एक पतले कंबल के सहारे खुले आसमान के नीचे ठंड से कांपता मिला। उसकी स्थिति को देखते हुए सदस्यों ने तत्काल सहायता की और उसे उपचार के लिए सिविल अस्पताल नैनपुर में भर्ती कराया। नागरिक मंच के सदस्यों द्वारा अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद वृद्ध का उपचार शुरू हुआ, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने के तीन दिन बाद उसकी मृत्यु हो गई।

सबसे दुखद पहलू यह रहा कि वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी। उसके परिवार, निवास स्थान और जीवन से संबंधित जानकारी भी स्पष्ट नहीं हो पाई। अंतिम समय में उसकी देखभाल के लिए कोई परिजन सामने नहीं आया।

हालांकि उसके परिवार की वास्तविक स्थिति या वह किन परिस्थितियों में बेसहारा हुआ, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में उसके परिजनों के संबंध में कोई निश्चित निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

कनेक्टिविटी का नया अध्यायः 119.18 करोड़ की दो सड़क परियोजनाओं के टेंडर जारी



रीवा। रीवा को जल्द ही विकास के पंख लगेंगे। यहां दो मार्गों पर निर्माण होगा। बताया जा रहा है कि सेमरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए 119.18 करोड़ रुपए की दो सड़क परियोजनाओं के टेंडर जारी कर दिए गए हैं। दोनों परियोजनाओं के तहत कुल 44.25 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई जाएंगी। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद अब निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

92 करोड़ रुपए खर्च

पहली परियोजना रीवा-मनकहरी-फरहद मार्ग की है। इसके निर्माण पर करीब 92 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। दूसरी परियोजना अजगरहा-इटहा मोड़ से दुबहा-बहुरीबांध एप्रोच रोड की है। इसके लिए 27.18 करोड़ रुपए की लागत तय की गई है।

दोनों सड़कों के बनने से सेमरिया क्षेत्र के कई गांवों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। लोगों को रीवा आने-जाने में सहूलियत होगी। साथ ही व्यापारिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

दयोदय पशुसेवा सदन गौशाला में की गई गोवर्धन पूजा

मंडला, यशभारत। विकासखंड मंडला के ग्राम आमानाला स्थित दयोदय पशुसेवा सदन गौशाला में श्री गोवर्धन पूजा का जिला स्तरीय कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे शामिल हुए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री शाश्वत सिंह मीना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गोवर्धन पूजा संपन्न की। इसके पश्चात उन्होंने श्रद्धापूर्वक गौमाता का पूजन किया, उन्हें तिलक लगाया, आरती उतारी और अपने हाथों से गौमाता को हरा चारा एवं पौष्टिक आहार ग्रहण कराया। जिला पंचायत सीईओ श्री मीना सहित उपस्थित अन्य अधिकारियों ने भी गौमाता की सेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। गौ-संरक्षण और संवर्धन की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कलेक्टर धोटे ने दयोदय पशुसेवा सदन के प्रबंधकों और सदस्यों के साथ वित्तीय और संसाधन के स्तर पर आत्मनिर्भर बनाने की भावी योजनाओं और रणनीतियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के उपसंचालक श्री उग्रसेन तिवारी सहित संबंधित अधिकारी, गौशाला प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा ईश्वरशाह साहिब के प्राकट्य दिवस पर होंगे विशेष कार्यक्रम

12 एवं 13 नवंबर को माहिष्मति घाट पर सजेगा भक्तिमय माहौल

मंडला, यशभारत। जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के प्राकट्य दिवस के अवसर पर मंडला में दो दिवसीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति कटनी मप्र शाखा मंडला के तत्वावधान में 12 एवं 13 नवंबर को विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे।



इसमें हरे माधव भजन संध्या, मां नर्मदा पूजन, हरे माधव अरदास, भगवान ईश्वरशाह जी की लीलाओं के दर्शन और भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आयोजन के पहले दिन 12 नवंबर को माहिष्मति घाट पर शाम 7 बजे मां नर्मदा जी का पूजन किया जाएगा, इसके पश्चात हरे माधव अरदास होगी। साथ ही दिल्ली से पधार रहे भाई सुनील अरोरा जी के द्वारा हरे माधव भजन संध्या की प्रस्तुति दी जाएगी। एलईडी के माध्यम से हरे माधव ब्रह्म बाल भगवान ईश्वर शाह जी की लीलाओं के श्री दर्शन भी कराए जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को शाम 4 बजे हरे माधव शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा ईश्वर नादम पथक दल के बाल सतगुरु सेवकों जो कि विभिन्न शहरों से पधारेंगे,उनके साथ संगीत प्रस्तुति के साथ बैगा-बैगी चौक से प्रारंभ होकर माहिष्मति घाट तक पहुंचेगी। समिति ने सभी श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से कार्यक्रमों में शामिल होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

सागर का आरोपी दमोह से गिरफ्तार : 10 साल से दे रहा था चकमा , 2017 में की थी हत्या

सागर, यशभारत। सागर पुलिस ने गंभीर अपराधों में लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना गढ़ाकोटा एवं रहली पुलिस की संयुक्त टीम ने वर्ष 2017 के एक चर्चित हत्या के प्रकरण में पिछले लगभग 10 वर्षों से फरार चल रहे ?15,000 के इनामी मुख्य आरोपी को जिला दमोह से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक, सागर रेंज द्वारा इस आरोपी की गिरफ्तारी पर ?15,000 का इनाम घोषित किया गया था।

ये है मामला?

दिनांक 11 अप्रैल 2017 को फरियादी डोमन सिंह (पिता जीवन सिंह लोधी, उम्र 17 वर्ष, निवासी ग्राम चंद्रपुरा, थाना गढ़ाकोटा) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके पिता जीवन सिंह लोधी के साथ आरोपी राजकिरण लोधी एवं उसके तीन अन्य साथियों ने मिलकर बल्लम, कतरना और लाठियों से गंभीर मारपीट की थी, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई थी।

फरियादी की शिकायत पर थाना गढ़ाकोटा में अपराध क्रमांक 160/2017 के तहत धारा 302, 307, 294, 323, 324, 325, 326, 506 एवं 34 भादवि के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया था। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया



था, परंतु मुख्य आरोपी राजकिरण लोधी तभी से लगातार फरार चल रहा था।

विशेष रणनीति बनाकर दबोचा

पुलिस अधीक्षक सागर संजीव सिंहा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वय जयवीर सिंह भदौरिया व नरेंद्र सोलंकी के मार्गदर्शन में फरार इनामी आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई थी। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रहली के मार्गदर्शन में गठित पुलिस टीम ने सतत प्रयासों और प्रभावी सूचना संकलन के आधार पर दिनांक 08 नवंबर 2026 को आरोपी राजकिरण लोधी (पिता सोवत सिंह लोधी, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम चंद्रपुरा, थाना गढ़ाकोटा) को दमोह से दबोच लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

इस चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष भूमिका रहीः निरीक्षक गौरव सिंह तिवारी - थाना प्रभारी, थाना गढ़ाकोटा, सउनि संजय मिश्रा - थाना रहली,आरक्षक कौस्तुभ मणि पाठक (1124) - थाना गढ़ाकोटा,आरक्षक दिलीप दुबे (1363) - थाना रहली।

सागर पुलिस के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त और लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, ताकि अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसता रहे।

मुख्य मार्गों पर बसों की मनमानी से जाम

सिवनी यशभारत।

शहर के प्रमुख मार्गों पर बसों के अनियंत्रित संचालन से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मुख्य बस स्टैंड से रवाना होने के बाद कई बसें रास्ते में धीमी गति से चलने के साथ ही जगह-जगह रुक रही हैं। निर्धारित बस स्टॉप के बजाय बीच सड़क पर सवारियां बैठाने और उतारने से पीछे चल रहे वाहनों की कतार लग जाती है। इसका असर प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों और व्यस्त मार्गों पर यातायात व्यवस्था पर पड़ रहा है।

नागरिकों का कहना है कि मुख्य बस स्टैंड से बसें निर्धारित समय पर रवाना तो होती हैं, लेकिन शहर के मुख्य मार्गों पर उनकी गति काफी धीमी हो जाती है। सवारियां जुटाने के लिए बस चालक कई स्थानों पर वाहन रोक देते हैं। एक बस के सड़क पर रुकने से पीछे चल रहे दोपहिया, चारपहिया और अन्य वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। व्यस्त समय में यही स्थिति धीरे-धीरे जाम का रूप ले लेती है।

जबलपुर की ओर जाने वाली बसों के शहर से बाहर निकलने तक कई स्थानों पर रुकने की शिकायत सामने आ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार दलसागर चौराहा, चौपाटी के सामने, बीएसएनएल कार्यालय के सामने, कचहरी चौक और सर्किट हाउस क्षेत्र में बसें सवारियों के लिए रुकती हैं। कई बार बसों के सड़क किनारे या बीच मार्ग में खड़े होने से अन्य वाहन चालकों को रास्ता बदलना पड़ता है।

छिंदवाड़ा और नागपुर की ओर जाने वाली बसों के संचालन को लेकर भी लोगों ने शिकायत की है। उर्दू स्कूल के सामने, नगर पालिका



चौक, सब्जी मंडी और महावीर मढ़िया के पास बसों के रुकने से यातायात प्रभावित होता है। बाजार और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बसों के अचानक रुकने से पैदल राहगीरों को भी सड़क पार करने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

त्योहार और व्यस्त दिनों में बढ़ जाती है परेशानी

त्योहारों और विशेष अवसरों पर शहर के बाजारों और मुख्य मार्गों पर वाहनों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में बसों के बीच सड़क पर रुकने और धीमी गति से चलने से यातायात का दबाव और बढ़ जाता है। थोड़ी देर के लिए रुकी बस के पीछे वाहनों की कतार लगने के बाद चौराहों तक जाम पहुंचने की स्थिति बन जाती है। इससे लोगों को गंतव्य तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लग रहा है।

अवैध पार्किंग भी बन रही जाम की वजह

शहर के मुख्य मार्गों पर बसों के अनियंत्रित संचालन के साथ अवैध पार्किंग और बिना निर्धारित स्थान के वाहनों को खड़ा करना भी जाम की बड़ी वजह बन रहा है। लोगों का कहना है कि यदि बस स्टॉप और यातायात व्यवस्था को लेकर नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए तो शहर के प्रमुख मार्गों पर रोज बनने वाली जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है।

बंजारी माता मंदिर के पीछे अनियंत्रित होकर पलटा ट्रक

सिवनी यशभारत। छपारा से लगभग 8 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के फोरलेन पर बंजारी माता मंदिर के पीछे सोमवार रात करीब 12:30 बजे एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक और हेल्पर को हल्की चोटें आईं, लेकिन दोनों सुरक्षित बच गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत (गुजरात) से सोलर पैनल लोड कर गुवाहाटी जा रहा ट्रक क्रमांक RJ-15-GH-9299 बंजारी माता मंदिर के पीछे पहाड़ी काटकर बनाई गई सड़क पर पहुंचा, तभी अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक चालक देवीदास शिवाजी सांवले ने बताया कि पीछे से आ रही एक कार अचानक ओवरटेक करते हुए ट्रक के बेहद नजदीक आ गई। उसे बचाने के प्रयास में ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गया।

गौरतलब है कि इस मार्ग पर पूर्व में बंजारी घाटी के घुमावदार



ढलान और ऊंची पुलिया के समीप फिर हुआ हादसा, बाल-बाल बची दो लोगों की जान; दुर्घटनाओं के ब्लैक स्पॉट को लेकर उठ रहे सवाल

और खतरनाक मोड़ों पर लगातार दुर्घटनाएं होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पहाड़ियों को काटकर सीधी सड़क का निर्माण कराया गया था। हालांकि, नवीन सड़क पर ढलान और ऊंची पुलिया के समीप भी दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हिस्से में पूर्व में भी कई गंभीर हादसे हो चुके हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिस सड़क निर्माण का उद्देश्य दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना था, उसी हिस्से में बार-बार हादसे क्यों हो रहे हैं? स्थानीय स्तर पर इस खतरनाक स्थान का तकनीकी निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को रोका जा सके।

संक्षिप्त खबर

आज जिला कांग्रेस मनायेगी अबुल कलाम व ठा. हरवंश सिंह की जयंती

सिवनी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी प्रसिद्ध शिक्षा विद्व स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री अबुल कलाम आजाद एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व त्रिविभागीय मंत्री स्व. ठा. हरवंशसिंह जी की जयंती कार्यालय जिला कांग्रेस कमेटी इंदिरा भवन सिवनी में 11 नवम्बर दिन बुधवार को दोपहर 12 बजे मनायी जाएगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने समस्त कांग्रेस जन से अधिक संख्या में अपने साथी सहयोगियों सहित उपस्थिति हेतु अपील की है।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल की प्रदेश कार्यकारिणी में शिवदीप डेहरिया बने प्रदेश सचिव

सिवनी। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल की नवनियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी में श्री शिवदीप डेहरिया को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से सिवनी जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बीण्वी श्रीनिवास राष्ट्रीय सचिव एवं मध्य प्रदेश प्रभारी श्री प्रताप नारायण मिश्रा तथा मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष श्री अवनीश भार्गव की सहमति से घोषित नई प्रदेश कार्यकारिणी में श्री डेहरिया को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री शिवदीप डेहरिया की नियुक्ति पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री नरेश मरावी एवं विधायक रजनीश हरवंश सिंह विधायक योगेन्द्र सिंह बाबा ने दी बधाई देकर उज्वल भविष्य की कामना करते हुए अपेक्षा व्यक्त की है अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ निर्वहन सेवादल और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे।



स्मार्ट फिश पार्लर एवं मत्स्य बीज प्रक्षेत्र का संयुक्त संचालक ने किया निरीक्षण

सिवनी यशभारत। संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग जबलपुर संभाग गिरीश मेश्राम ने जिले के लखनादौन क्षेत्र का भ्रमण कर मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया।

श्री मेश्राम ने मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजनांतर्गत नगर परिषद लखनादौन में निर्मित स्मार्ट फिश पार्लर का अवलोकन किया। उन्होंने ग्राम पंचायत गंगेरूआ में प्रस्तावित स्मार्ट फिश पार्लर के निर्माण कार्य में आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में पूर्ण हो चुके स्मार्ट फिश पार्लरों का नियमानुसार आवंटन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात उन्होंने मत्स्य बीज प्रक्षेत्र लखनादौन का निरीक्षण कर उपलब्ध मत्स्य बीज की जानकारी ली तथा उपयुक्त समय पर नदियों में मत्स्य बीज संचयन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। संयुक्त संचालक ने मत्स्योद्योग जिला कार्यालय का भी अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान उन्होंने सिवनी नगर के भगत सिंह वार्ड में निर्मित मत्स्य बाजार का भी स्थानीय मछुआ समुदाय की उपस्थिति में अवलोकन किया। उन्होंने मत्स्य बाजार की 20 दुकानों का शीघ्र आवंटन करने के लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप संचालक मत्स्योद्योग सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यदुवंशियों का आहीरी नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा

दिशा गौ शाला छींदा में सम्पन्न हुई गोवर्धन पूजा!

सिवनी यशभारत। जिला की तहसील केवलारी के समीपस्थ ग्राम छींदा की दिशा गौ शाला में गोवर्धन पूजा पूरे विधि - विधान के साथ सम्पन्न हुई। गोवर्धन पूजा 09 नवंबर को गौ शाला की लगभग 300 नग गाय व उनके बछडों को सुबह से दोपहर समय तक गौ शाला में कार्यरत कर्मचारियों और संचालक मंडल के सदस्यों द्वारा नहनाया गया। फिर गौ माता की पूजा - अर्चना कर उन्हें स्वादिष्ट खिचड़ी खिलाई गई।

ग्राम पंचायत छींदा की दिशा गौ शाला में प्रतिवर्षानुसार इस भी ग्राम व क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। यहां गौ शाला की



गौ माता की हिन्दू सनातन धर्म के अनुसार पूजा कर समाज में सुख - समृद्धि की कामना की गई।

गौरतलब है कि दिशा गौ शाला छींदा में आयोजित गोवर्धन पूजा कार्यक्रम में ग्राम पंचायत छींदा की सरपंच श्रीमती सियाबाई रामप्रसाद उइके, गौ शाला के प्रबंध संचालक श्रीमती वंदना ललित राय, श्रीमती विनीता राकेश सेन, अभिषेक सेन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गहन सिंह भलावी, बसोरी लाल शिवेदी, श्याम बाबू झारिया, यदुवंशी - उप सरपंच राजकुमार उर्फ बम्मू यादव, श्याम यादव, संतोष यादव, अशोक यादव, पंजी यादव, सचिन यादव, नंदकिशोर झारिया, प्रियांशु राय, अंकित राय, मनीष राय, संजय झारिया, करण झारिया रामनाथ, जित्तू शिवेदी, मनोज केवट, टेकसिंह, मुकेश अरमोती, संकेत अहिरवार, के अलावा समाजसेवी महिलाओं में श्रीमती इंदिरा राय, सावित्री भगदिया आदि ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच की कार्यकारिणी का निर्वाचन 12 नवंबर को

सिवनी यशभारत।

जिले के निजी विद्यालय संचालकों के संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित और ऊर्जावान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आयोजन होने जा रहा है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन संचालक मंच, जिला सिवनी की नई जिला कार्यकारिणी का गठन एवं निर्वाचन आगामी 12 नवंबर गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। यह निर्वाचन कार्यक्रम स्थानीय आशीर्वाद पैलेस, बड़े ज्यारात के पास, सिवनी में प्रात: 11:00 बजे से प्रारंभ होगा। संगठन के सुचारू संचालन और नए नेतृत्व के चयन के लिए चुनाव प्रक्रिया को दो प्रमुख चरणों में विभाजित किया गया है। प्रथम चरण (रजिस्टर्ड समिति के 7 प्रमुख पद):- इस चरण के तहत संघ के मुख्य पदों के लिए निर्वाचन किया जाएगा। इसमें जिला अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष, जिला सचिव, जिला संयुक्त सचिव, जिला कोषाध्यक्ष और दो जिला सदस्यों का चुनाव होगा, जबकि अन्य पदों पर नियमानुसार मनोनयन किया जाएगा।

द्वितीय चरण (संगठन विस्तार एवं विकासखंड प्रतिनिधित्व):- संगठन के दायरे को जमीनी स्तर तक व्यापक बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक विकासखंड से निम्नलिखित पदों हेतु एक-एक नाम प्रस्तावित किए जाएंगे।

जिला उपाध्यक्ष, जिला सहसचिव, जिला प्रवक्ता, जिला मीडिया प्रभारी इसके साथ ही, शीर्ष स्तर पर मार्गदर्शन के लिए कोर कमेटी हेतु प्रत्येक ब्लॉक से एक या दो नाम प्रस्तावित किए जाएंगे।

कार्तिक मास में मां बालाभवानी मंदिर में प्रतिदिन हो रहा दीपार्चन

सिवनी यशभारत। गणेशगंज नेशनल हाईवे में स्थित मां बालाभवानी मंदिर (आश्रम) में कार्तिक मास के पावन अवसर पर प्रतिदिन दीपार्चन का धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन शाम 6 बजे से 7 बजे तक आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में माता के भक्त बड़ी संख्या में मंदिर परिसर पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलित कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

इस धार्मिक आयोजन में दंडी स्वामी श्री राघवानंद तीर्थ जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में विधि-विधान के साथ दीपार्चन संपन्न हो रहा है। दीपार्चन के पश्चात



मां बालाभवानी की भव्य महाआरती की जाती है, जिसमें श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ शामिल होकर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर स्वामी श्री राघवानंद तीर्थ जी महाराज ने समस्त श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि जो भी भक्त इस पुनीत धार्मिक कार्य में सहभागी बनना चाहते हैं, वे प्रतिदिन शाम 6 बजे मंदिर परिसर पहुंचकर दीपार्चन में शामिल हों तथा धर्म लाभ अर्जित करें।

समोशरण विधान का हुआ शुभारंभ पात्रों का चयन हुआ

लखनादौन यशभारत। मुनि श्री निर्वेगसागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में एवं बाल ब्रह्मचारी विजय भैया जी के कुशल नेतृत्व में 10 से 13 तक होने वाले तीन दिवसीय समोशरण महामंडल विधान प्रारम्भ होगा। श्री दिगंबर जैन पंचायत महासभा के मीडिया प्रभारी राजेश जैन डॉली ने बताया कि आज समोसरण विधान में बनने वाले प्रमुख पात्रों का चयन हुआ।,

ध्वजारोहण कर्ता सिंघई श्री दीपक जैन, चक्रवर्ती सिंघई श्री दीपक जैन श्री मति कल्पना जैन, सौधर्म इंद्र सचि इन्द्राणी श्री संजय जैन सराफ श्री मति शेफाली जैन, कुबेर इन्द्र एवं इन्द्राणी श्री रितेश जैन श्री मति शिल्पा जैन, ईशान इंद्र एवं इन्द्राणी श्री सुनील जैन श्री मति आरती जैन, सानतकुमार सिंघई श्री संजय जैन श्री मति सीमा जैन, यज्ञनायक सिंघई श्री अलकेश जैन श्री मति मधु जैन बने। मुनि श्री निर्वेगसागर जी महाराज के मंगल प्रवचन संपन्न हुए । मुनि श्री ने श्री समोशरण महामंडल विधान के बारे में विस्तार से बताया एवं विधान की महिमा बताई।



ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ के महाकौशल संयोजक बने सिवनी से संजय तिवारी

सिवनी यशभारत। सर्ववर्गीय ब्राह्मण समाज के संगठन मंत्री अब समाज के बड़े संगठन में अपनी सेवाएं देगे। ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय सयोजक श्री अरविंद तिवारी ने आज बरघाट के ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता संजय तिवारी को महाकौशल मध्यप्रदेश का संयोजक नियुक्त किया।

राष्ट्रीय संयोजक अरविंद तिवारी ने बताया की संजय तिवारी पूर्व में इस संगठन में सेवा दे चुके है परन्तु संजय तिवारी द्वारा स्थानीय स्तर पर मंगल भवन निर्माण के संकल्प के कारण उन्हें अपने लक्ष प्राप्ति हेतु मुक्त रखा गया था। स्थानीय स्तर पर बिना सामाजिक चंदे के मंगल भवन निर्माण उपरांत पुन: उन्हे महाकौशल संयोजक सद्य का स्थान देकर संगठन सेवा लेकर समाज के कार्यों को गति देगा।



संजय तिवारी ने कहा की यह संगठन की विचारधारा से प्रभावित होकर कुछ साल पहले मैंने इसकी सदस्यता ली थी पर स्थानीय स्तर पर मंगल भवन का निर्माण हमारी कमेटी का प्रमुख संकल्प पूरा करने के कारण इस संगठन के लिए समय और ऊर्जा देना संभव नहीं था। अब सिवनी जिले के बरघाट ब्लॉक में बिना सामाजिक चंदे के ब्राह्मण समाज मंगल भवन निर्माण से हमारा सपना पूरा हुआ। ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ राष्ट्र में ब्राह्मण के लिए कार्य कर रहा है, इस प्रकार के बड़े मंच में सेवा देना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। इस मंच के माध्यम से वरिष्ठ जनों के मार्गदर्शन से हम समाज में युवा रोजगार वा शिक्षा पर फोकस करेंगे जिससे ब्राह्मण समाज का युवा आगे बढ़ सके। हम युवा वर्ग को दूसरे को रोजगार देने योग्य बनाने की दिशा में कार्य करने का प्रयास करेंगे। मैं हमेशा ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आभारी रहूंगा जिन्होंने मुझे प्रदेश में समाज के लिए कुछ करने का अवसर प्रदान किया।

संजय तिवारी की इस नई जवाबदारी पर हिंगलासेना मध्यप्रदेश, सर्व वर्गीय ब्राह्मण समाज बरघाट, वैदिक ब्राह्मण परिषद मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दी।

आकर्षक रंगोली



बरघाट। दीपावली के पावन पर्व पर नगर में घर घर एवं प्रतिष्ठानों के सामने जगह-जगह आकर्षक रंगोली बनाई गई। सराफा गली में न्यू साहू ज्वेलर्स के सामने बनी सुंदर आकर्षक रंगोली।

शराब दुकान खोलने का जनविरोधी प्रयास : मरावी

सिवनी यशभारत।



पूरे भैरोगंज क्षेत्र की जनता के भारी विरोध के बाद भी आखिर प्रशासन की ऐसी क्या मज़बूरी है जो यहाँ शराब दुकान खोलना चाहता है प्रशासन गिरफ्तारी की धमकी दे रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने कहा कि सिवनी। नगरपालिका क्षेत्र सिवनी के अंतर्गत दलसागर बी ;दलसागर तालाबध्क्षेत्रद्ध में आबकारी विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा शराब दुकान खोलने के फैसले का स्थानीय नागरिकोंए महिलाओं और युवाओं द्वारा जोरदार विरोध किया जा रहा है। जनहित और क्षेत्र के माहौल को ध्यान में रखते हुए नागरिक लगातार इस दुकान हटाने की मांग कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जनता के तीव्र विरोध और जनाक्रोश के कारण इस शराब दुकान को अब तक चार अलग.अलग स्थानों पर स्थानांतरित करने की कोशिश की जा चुकी हैए लेकिन जागरूक नागरिकों विषेशकर मातृषक्ति के विरोध के चलते यह दुकान नहीं खोली जा सकी। इसके बावजूद आबकारी विभाग और प्रशासन जबरन इस दुकान को इसी क्षेत्र में स्थापित करने पर आमादा है।

शांतिपूर्ण ढंग से अपनी आवाज उठा रहे नागरिकों और महिलाओं की समस्याओं को सुनने के बजायए एडीएम ;अपर जिला मजिस्ट्रेटद्ध द्वारा क्षेत्रवासियों को ष्शासकीय कार्य में बाधा पहुँचानेष् का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई की धमकियाँ दी जा रही हैं। लोकतंत्र में अपनी जायज मांगों और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आवाज उठाना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है जिसे प्रशासनिक दबाव से दबाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन को नगर में बढ़ती समस्याओं के ओर ध्यान नही है सिर्फ शराब दुकान खुलाना ही इनके लिए शासकीय कार्य रह गया है।

भाजपा से निर्वाचित सांसद, विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष की जिम्मेदारी नहीं है कि शराब दुकान न खोलने दिया जाए। जिन्हे नगर की जनता ने चुना है भैरोगंज क्षेत्र की महिला, धनतेरस, दीपावली जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार को शराब दुकान हटाने धरना मे बैठी रही क्या प्रशासन के आगे भाजपा सत्ता पक्ष नतमस्तक हो गया है भाजपा को चुनाव के समय बस जनता की याद आती है एक और तो भाजपा के नेता अपने भाशणों में नषामुक्ति, षराब बंदी की बात करते है वही दूसरी ओर उनके द्वारा दलसागर जो पहले से षराब दुकान है अब दलसागर बी के नाम से दुकान खोली जा रही है यदि नगर की जनता इन दुकानों के विरोध में रोड़ में डटकर खडी नही हुई तो नगर में संचालित षराब दुकानों की संख्या इसी तरह बढ़ा दी जाऐगी। भाजपा सरकार लोगो एवं युवाओं को नषे की लत लगाकर धन कमाना चाहती है, जिला कांग्रेस कमेटी इसका पुरजोर विरोध करती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर हवन पूजन, महाआरती के साथ लगेगा छप्पन भोग

सीलादेही पहाड़ी स्थित मां वैष्णवी देवी धाम में अन्नपूर्णा महोत्सव प्रारंभ





उपस्थिति की अपील

मां वैष्णवी देवी धाम समिति सीलादेही ने सभी धर्मप्रेमियों व भक्तजनों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों में शामिल हों और जगतजननी मां अन्नपूर्णा का पावन आशीर्वाद व धर्मलाभ प्राप्त करें।

सिवनी यशभारत। जिला मुख्यालय से नागपुर मार्ग पर सीलादेही पहाड़ी पर विराजमान मां वैष्णवी देवी धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पावन अन्नपूर्णा महोत्सव का आयोजन किया गया है। धनतेरस पर पूर्ण विधि-विधान के साथ जगत जननी मां अन्नपूर्णा की दिव्य प्रतिमा की स्थापना के साथ यह महोत्सव प्रारंभ हो गया है, जो कार्तिक पूर्णिमा तक पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव में प्रतिदिन मां अन्नपूर्णा की विशेष पूजा-अर्चना कर दैनिक भोग अर्पित किया जा रहा है, जिसके दर्शन और आशीर्वाद के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहाड़ी पर पहुंच रहे हैं। आयोजन समिति ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत आंवला नवमीं व एकादशी के पर्व पर पुजारियों की उपस्थिति में मां अन्नपूर्णा का विशेष पूजन-अर्चन किया जाएगा। विशेषकर आंवला नवमीं पर यहां महिलाओं और परिवारों की भारी भीड़ उमड़ती है, समिति ने पूर्व में पहाड़ी पर लगाए गए आंवले के 100 से अधिक पौधे अब वृक्ष का रूप ले चुके हैं, जहां श्रद्धालु सपरिवार पहुंचकर पूजन करते हैं। समिति ने मंदिर परिसर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। महोत्सव का समापन कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशेष पूजन, हवन, महाआरती के साथ होगा। इस दौरान मां अन्नपूर्णा को छप्पन (56) भोग अर्पित किए जाएंगे। छप्पन भोग अर्पण के बाद महाप्रसाद (भंडारे) वितरित किया जाएगा। 56 भोग अर्पित करने के इच्छुक श्रद्धालु मंदिर के पुजारी से संपर्क कर इस पुनीत कार्य में शामिल हो सकते हैं।

बस स्टैंड और थोक सब्जी मंडी में सक्रिय मोबाइल चोर, लगातार हो रही वारदातें

सिवनी। जिले में मोबाइल चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। रोजाना लोगों के मोबाइल चोरी हो रहे हैं। पीड़ित शिकायत लेकर थाने पहुंचते हैं, लेकिन आरोप है कि पुलिस आवेदन लेकर औपचारिकता पूरी कर लेती है। चोरी गए मोबाइल की तलाश और वारदातों में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से मोबाइल चोरों के हौसले बढ़े हुए हैं। शहर के कई इलाके मोबाइल चोरों के निशाने पर हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के सरकारी और निजी बस स्टैंड परिसर में मोबाइल चोर सक्रिय रहते हैं। वहीं नागपुर रोड स्थित थोक फल एवं सब्जी मंडी भी मोबाइल चोरों का ठिकाना बनी हुई है। सुबह मंडी में ग्राहकों की भीड़ के बीच चोर मौका तलाशते हैं और पलक झपकते ही लोगों की जेब से मोबाइल पार कर देते हैं।

चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क
आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु
उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन
साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।

फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

मास्टर प्लान-2047: कैचमेंट पर 6 हजार आपत्तियों से गरमाया माहौल

13,400 दावों पर 16 नवंबर से होगी सुनवाई

भोपाल, यशभारत। राजधानी के भविष्य को तय करने वाले भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर शहरवासियों की आपत्तियां और विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग द्वारा जारी किए गए इस ड्राफ्ट पर अब तक कुल 13,400 दावे-आपत्तियां दर्ज कराई जा चुकी हैं। इन गंभीर आपत्तियों और सुझावों पर विचार करने के लिए अब 16 नवंबर से आधिकारिक सुनवाई शुरू होगी, जिसे लेकर विभाग ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है।



मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में सबसे बड़ा विवाद बड़े तालाब और अन्य जल स्रोतों के कैचमेंट एरिया को लेकर खड़ा हुआ है। इस मुद्दे पर अकेले 6 हजार से अधिक आपत्तियां सामने आई हैं। शहर के शहरी इलाकों के साथ-साथ नीलबड़, रातीबड़ और भौंरी जैसे ग्रामीण क्षेत्रों के रहवासियों ने भी जल स्रोतों के दायरे में आने वाले प्रतिबंधों पर कड़ी आपत्ति जताई है। जानकारों का मानना है कि सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सबसे संवेदनशील और मुख्य केंद्र रहेगा। ड्राफ्ट में आवासीय क्षेत्रों के भीतर व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति दिए जाने के प्रावधान को लेकर भी रहवासियों में खासा रोष है। इस व्यवस्था के खिलाफ4 हजार से अधिक आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। लोगों का कहना है कि इससे रिहायशी इलाकों की शांति, ट्रैफिक व्यवस्था और बुनियादी सुविधाएं प्रभावित होंगी। इसके अलावा, डिजिटल माध्यम से भी 5 हजार से अधिक आपत्तियां ईमेल के जरिए प्राप्त हुई हैं, जो शहर के नागरिकों की इस योजना को लेकर गहरी चिंता को दर्शाती हैं।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा मामला, कानूनी लड़ाई तेज

मास्टर प्लान के इन विवादित प्रावधानों के खिलाफ शहर के रहवासी पहले ही सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं, जहां मामला विचाराधीन है। इस कानूनी लड़ाई से जुड़े रहवासी विवेक त्रिपाठी का कहना है कि सुनवाई के दौरान वे अपना पक्ष पूरी मजबूती के साथ रखेंगे। साथ ही, क्षेत्र में हुए तमाम अवैध निर्माणों के दस्तावेज़ और तथ्य भी अदालत के सामने रखे जाएंगे, ताकि मास्टर प्लान के अंतिम स्वरूप पर मुहर लगने से पहले इन वास्तविक जमीनी हकीकत पर भी गंभीरता से विचार किया जा सके।

अब सुनवाई से तय होगी शहर की विकास दिशा

टीएंडसीपी द्वारा आज होने वाली बैठकों में इस पूरी प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जाएगा। 16 नवंबर से शुरू होने वाली सुनवाई में आने वाले तर्क, विरोध के बिंदु और कानूनी पहलुओं के आधार पर ही यह तय होगा कि मास्टर प्लान के फाइनल ड्राफ्ट में क्या अहम बदलाव किए जाते हैं। बहरहाल, इन फैसलों पर पूरे भोपाल के रहवासियों की निगाहें टिकी हुई हैं।



गुनगा में शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद

टंकी से कूदा युवक, मौत

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के गुनगा थाना क्षेत्र में घरेलू कलह और आपसी कहासुनी के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहाँ शराब पीने की आदत को लेकर परिवार में उपजे विवाद से क्षुब्ध होकर 20 वर्षीय युवक शंकर लाल अहिरवार ने गांव के समीप स्थित पानी की टंकी से छलांग लगा दी। परिजन और भाई की तमाम मिन्नतों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका, और अस्पताल पहुँचने से पहले ही उसकी सांसे थम गईं।

जानकारी के अनुसार, शंकर के शराब पीने की बात को लेकर घर में परिजनों ने उसे समझाया और टोकना शुरू किया था। देखते ही देखते यह घरेलू कहासुनी बड़े विवाद में बदल गई। गुस्से में आकर शंकर घर से निकला और सीधे गांव के पास बनी पानी की ऊंची पानी की टंकी पर जा चढ़ा। घटना की भनक लगते ही परिजन और उसका भाई आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। भाई ने टंकी पर ऊपर चढ़कर शंकर से नीचे उतरने के लिए तमाम मिन्नतें कीं और उसे समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह जिद पर अड़ा रहा। इससे पहले कि परिजन या अन्य लोग उसे सुरक्षित नीचे उतार पाते, उसने नीचे छलांग लगा दी। गुनगा थाना प्रभारी रिंकू सिंह जाटव ने बताया कि शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद और शराब पीने को लेकर हुई खींचतान के बाद यह खौफनाक कदम उठाने की बात सामने आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस अचानक हुई दुर्घटना से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में मातम व शोक की लहर दौड़ गई है।

दीपावली छठ पर भोपाल मंडल से चलेंगी 24 विशेष ट्रेनें

भोपाल, रानी कमलापति, बीना, गुना और इटारसी स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाई, आरपीएफरखेगी निगरानी



भोपाल, यश भारत। दीपावली और छठ महापर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने 24 विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों से यात्रियों को देश के प्रमुख शहरों और धार्मिक स्थलों तक आने जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही नियमित ट्रेनों में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। रेलवे ने भोपाल रानी कमलापति बीना गुना और इटारसी सहित प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। आरपीएफऔर टिकट चेकिंग स्टाफप्लेटफॉर्म प्रवेश निकास द्वारों और स्टेशन परिसर में लगातार निगरानी कर रहे हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन भी चालू रखी गई हैं। इससे अनारक्षित टिकट आसानी से मिल सकेंगे।

स्वच्छता रैंकिंग में पिछड़ने के दावों पर गरमाई सियासत कांग्रेस ने निगम को घेरा

निगम परिसर में झाड़ू लगाकर जताया विरोध, महापौर और अधिकारियों पर लगाए लापरवाही के आरोप

भोपाल,यश भारत।

कभी स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी पहचान बनाने वाले भोपाल की स्वच्छता रैंकिंग को लेकर सियासत तेज हो गई है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 में शहर की रैंकिंग गिरने के दावों के बीच कांग्रेस ने नगर निगम के खिलाफमोर्चा खोलते हुए प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव अमित शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों ने नगर निगम परिसर में झाड़ू लगाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने शहर की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए महापौर और निगम अधिकारियों पर लापरवाही तथा भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि भोपाल की स्वच्छता पहचान को बनाए रखने में निगम नाकाम साबित हो रहा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था में सुधार शहर की बदहाल स्थिति पर जवाबदेही तय करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि शहर की स्वच्छता को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिक्षक पात्रता परीक्षा 20 दिसंबर को होगी आयोजित

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 की तारीख घोषित कर दी है। मंडल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार परीक्षा का आयोजन 20 दिसंबर 2026 को किया जाएगा। परीक्षा सुबह 11 बजे से प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने 10 नवंबर 2026 को जारी विज्ञप्ति में परीक्षा तिथि की जानकारी दी है।

परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र प्रवेश व्यवस्था और अन्य जरूरी प्रक्रियाओं से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देशों का इंतजार है। मंडल ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा आयोजन से संबंधित विस्तृत निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को सलाह है कि परीक्षा से जुड़ी आधिकारिक जानकारी और आगामी दिशा निर्देशों के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर नजर रखें।

ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश छात्रवृत्ति का मुद्दा संसद-विधानसभा में गूंजेगा

भोपाल,यश भारत।



मध्य प्रदेश में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण और विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति की 14 लंबित सीटों को लेकर ओबीसी संगठनों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की तैयारी की है। संगठनों ने दोनों मुद्दों को संसद और विधानसभा में उठाने की मांग की है। आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव मंडल ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर आजाद से मुलाकात कर संसद में ओबीसी के अधिकारों का मुद्दा उठाने का आग्रह किया जाएगा। युवा प्रदेश अध्यक्ष अनिल गुर्जर ने आरक्षण से जुड़े मामलों में जवाबदेही तय करने की मांग की। ओबीसी महासभा के केपी कुरुमवंशी, कमलेन्द्र पटेल और रविन्द्र गुर्जर ने 14 लंबित छात्रवृत्ति सीटों पर नई रिक्तियां जारी करने से पहले निर्णय लेने की मांग की। वहीं जय मूवमेंट ओबीसी के संस्थापक लखपत गुर्जर ने चयन प्रक्रिया में कथित नियम बदलाव 25 प्रतिशत वेटेज और विद्यार्थियों से दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच की मांग की। संगठनों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मांगें रखने और समाधान नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी।

चाकूबाजी में घायल युवक की मौत, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,यशभारत। अधारताल थाना क्षेत्र के न्यू कंचनपुर में पुरानी रंजिश के चलते हुई चाकूबाजी की वारदात में गंभीर रूप से घायल युवक ने आखिरकार दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कई दिनों से जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे वैभव मेहता उर्फ चंदू की उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, घटना 4 नवंबर की शाम करीब 7:45 बजे की है। वैभव मेहता उर्फ चंचू अपने दोस्त कुशाग्र यादव उर्फ पट्टू के साथ घर लौट रहा था। इसी दौरान न्यू कंचनपुर में साहिल गौतम उर्फ साहिल राजपूत के घर के सामने उसे रोक लिया गया। दोनों के बीच पहले से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी बात को लेकर उनके बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई। विवाद के दौरान साहिल ने जेब से चाकू निकालकर वैभव की पीठ और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में वैभव गंभीर रूप से घायल होकर लहूलुहान हालत में गिर पड़ा। घटना के बाद उसे तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी था। लेकिन गंभीर चोटों के चलते उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार के अनुसार, वैभव की उपचार के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने मामले में आरोपी साहिल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया है। युवक की मौत के बाद प्रकरण में नियमानुसार हत्या की धाराओं के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पार्किंग विवाद ने लिया हिंसक रूप, पत्थरबाजी

जबलपुर,यशभारत। ओमती थाना क्षेत्र के भरतीपुर में वाहन पार्किंग को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते दो पक्षों के बीच हिंसक संघर्ष में बदल गया। उड़िया और सोनकर समाज के लोगों के बीच कहासुनी के बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी किए जाने की खबर है। अचानक हुए इस घटनाक्रम से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। विवाद में कुछ लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद आक्रोशित उड़िया और यादव समाज के लोग बड़ी संख्या में ओमती थाने पहुंच गए और जमकर विरोध जताया। लोगों ने विवाद में शामिल आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने में हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों की शिकायतों पर जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्रीय निवासियों ने इलाके में लंबे समय से कथित रूप से चल रहे अवैध नशे के कारोबार पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नशे के अवैध कारोबार के कारण क्षेत्र में आए दिन विवाद और तनाव की स्थिति बनती रहती है। लोगों ने पुलिस से इस पर भी प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। सीएसपी ने बताया कि उड़िया और सोनकर समाज के बीच विवाद की सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंच गया था। विवाद में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। फरियादी पक्ष की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें जुटी हुई हैं।

कागजी दावों के बीच जलते खेत

जिले में पराली समेटने में लगेंगे 333 दिन

जिले में 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता और 4 लाख एकड़ से अधिक का रकबा

कैसे रुकेगी खेतों में आग ?

अजय पांडे

जबलपुर, यशभारत। देशभर में इन दिनों पराली प्रबंधन और उससे फैलने वाले प्रदूषण को लेकर गंभीर बहस छिड़ी हुई है। जिले में भी प्रशासन ने खेतों में आग न लगाने और पराली प्रबंधन के दावे किए हैं, लेकिन धरातल पर मौजूद आंकड़े इन दावों की पोल खोलते नजर आ रहे हैं। प्रशासन की मौजूदा व्यवस्था और सीमित संसाधनों को देखते हुए यह साफ है कि किसानों के सामने मजबूरी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

बड़े दावे और चौंकाने वाले आंकड़े

प्रशासन की योजना के अनुसार, पराली को खेतों में जलाने से रोकने का प्रमुख उपाय बायोप्लांट्स में इसका उपयोग करना है। इसके लिए बेलर मशीनों के जरिए पराली के गट्ठे (बेलर) बनाए जाते हैं और उनका उठाव किया जाता है।

- **जिले में सक्रिय मशीनें:** जबलपुर में इस समय 4 कंपनियां काम कर रही हैं, जिनके पास कुल लगभग 40 बेलर मशीनें हैं।
- **दैनिक क्षमता:** प्रत्येक बेलर मशीन की औसतन क्षमता 25 से 30 एकड़ प्रतिदिन पराली समेटने की है। इस हिसाब से सभी 40 मशीनें मिलकर प्रतिदिन अधिकतम 1200 एकड़ जमीन से ही पराली इकट्ठा कर सकती हैं।
- **वास्तविक रकबा:** सरकारी गिरदावली आंकड़ों के अनुसार ही जिले में लगभग 4 लाख एकड़ जमीन पर धान की बुवाई का आकलन दर्ज किया गया है, जबकि वास्तविकता इससे 10 से 20% अधिक है।



गणित जो प्रशासन के दावों को झुठलाता है

आंकड़ों का विश्लेषण किया जाए तो एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आती है।

- **333 दिनों का गणित:** यदि जिले के कुल रकबे का आकलन करें, तो 1200 एकड़ प्रतिदिन की क्षमता के हिसाब से पूरे रकबे की पराली समेटने में करीब 333 दिन (यानी लगभग पूरा साल) लग जाएंगे।
- **फसलों का चक्र:** जबलपुर के एक बहुत बड़े हिस्से में फसल चक्र बहुत तेजी से बदलता है। धान की कटाई के तुरंत बाद गेहूं, मटर या अन्य फसल की बुवाई होती है, और उसके तुरंत बाद उड़द व मूंग बोई जाती है। ऐसे में किसानों के पास एक-एक दिन की कीमत होती है। इतने कम समय में इन मशीनों के जरिए पराली का प्रबंधन होना तकनीकी रूप से असंभव है।

बायोप्लांट की क्षमता बनाम पराली की भारी मात्रा

संकट यहीं खत्म नहीं होता। रिलायंस के बायोफ्यूल प्लांट की सालभर की कुल क्षमता 60,000 टन की है, जबकि अकेले जबलपुर जिले में ही अनुमानित तौर पर 9 लाख टन पराली पैदा होती है। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि न्यूनतम संसाधनों के सहारे शासन आखिर किसानों पर दबाव क्यों बना रहा है?



कृषि विभाग के विकल्प और किसानों पर आर्थिक बोझ

कृषि विभाग के अधिकारियों का तर्क है कि किसान 'हैप्पी सीडर' या 'सुपर सीडर' जैसी मशीनों का उपयोग कर सकते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि:

* एक सामान्य सीडर की कीमत डेढ़ से दो लाख रुपये होती है।
* वहीं हैप्पी सीडर और सुपर सीडर की कीमत चार से पांच लाख रुपये के बीच है। किसानों का कहना है कि पहले से आर्थिक संकट और सीमित संसाधनों से जूझ रहे अन्नदाताओं पर यह अतिरिक्त वित्तीय बोझ डालना कहां का न्याय है?



प्रशासनिक सुस्ती और किसानों के तीखे सवाल

जबलपुर के किसानों और जानकारों का आरोप है कि कृषि विभाग और प्रशासनिक अधिकारी केवल फसल कटाई के इस सीजन में चंद दिनों के लिए जागते हैं और बाकी चार महीने सो जाते हैं। यदि पराली का स्थायी प्रबंधन करना था, तो इसकी तैयारी महीनों पहले से होनी चाहिए थी। प्रशासन की ओर से कुछ बड़े किसानों के उदाहरण दिए जाते हैं जो 2-3 हजार एकड़ में आधुनिक प्रयोग कर रहे हैं, लेकिन जिले के विशाल कृषि क्षेत्र में इक्का-दुक्का बड़े उदाहरणों से बात नहीं बनने वाली। किसानों की साफ मांग है कि यदि सरकार वास्तव में प्रदूषण रोकना चाहती है, तो उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, वरना सिर्फ प्रशासनिक डंडे और कागजी दावों से खेतों में आग लगने की घटनाओं को नहीं रोका जा सकता।

प्रेस वार्ता कर प्रजापति ने लगाये गंभीर आरोप

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के घर में लगी आग ने नपा की लापरवाही की उजागर

नरसिंहपुर यशभारत। दिवाली की शाम पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन पी प्रजापति के घर अज्ञात कारणों से लगी आग ने ना सिर्फ नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही उजागर की वरन् शहर के आम बाशिंदों की सुरक्षा पर भी सवालिया निशान लगा दिए। हालांकि आगजनी की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई किंतु प्रजापति परिवार की कार और स्कूटी जलकर राख हो गई।



दीवाली की शाम जब प्रजापति परिवार लक्ष्मी पूजन की तैयारी में व्यस्त था तभी उनके निवास की पार्किंग में खड़ी कार में लगी आग ने विकराल रूप ले लिया। प्रजापति परिवार ने सीएमओ को फोन किया तो उन्होंने त्योहार की छुट्टी का हवाला दिया तभी परिवार के सदस्य पटाखा मार्केट दौड़े जहां खड़ी फायर ब्रिगेड लेकर आए जिसमें ना के बराबर पानी था। आनन-फानन में दूसरी फायर ब्रिगेड आई जिसने आम नागरिकों और प्रजापति परिवार के शुभ चिंतकों के सहयोग से आग पर काबू पाया। जब तक आग शांत हुई तब तक कार और स्कूटी स्वाहा हो चुके थे। इस घटना के बाद नगर में सीएमओ की कार्यप्रणाली और नगरपालिका प्रशासन की लापरवाही पर आम नागरिकों में तीखा रोष है।

सीएमओ किसकी सहमति से छुट्टी गए?

नगर में इस बात को लेकर भी चर्चा है कि इतने महत्वपूर्ण अवसर पर सीएमओ छुट्टी पर क्यो गए और किसकी अनुमति से गए। जबकि दीवाली के समय नगरपालिका की जवाबदारी अत्यधिक बढ़ जाती है तब भी कर्तव्य में लापरवाही जनचर्चा में है।

त्यौहार के पूर्व और बाद में भी गंदगी का आलम

नगरपालिका प्रशासन द्वारा त्यौहार के पूर्व और बाद में भी नगर की स्वच्छता हेतु पर्याप्त प्रबंध नहीं किए जिससे भी नपा की कार्यप्रणाली को लेके आम जन में रोष रहा। जबकि पूर्व सीएमओ के कार्यकाल में नपा कर्मी मुस्तैदी से साफ-सफाई में सक्रिय रहते थे, नये सीएमओ के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही नगर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है।

कलेक्टर के आदेश की भी अनदेखी

जिला प्रशासन ने दिवाली के पूर्व बैठक आयोजित की थी, जिसमें सभी नगरी निकाय प्रमुखों को फायर ब्रिगेड चुस्त दुरुस्त रखने निर्देशित किया था। इसके बावजूद भी नगर पालिका सीएमओ ने कलेक्टर के आदेश की अनदेखी की। बता दें कि दिवाली के ठीक दो दिन पूर्व एसपी डॉक्टर ऋषिकेश मीणा और कलेक्टर रजनी सिंह ने पटाखा बाजार जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। यहां उन्होंने फायर ब्रिगेड की उपलब्धता चौबीसों घंटे रहने पर जोर दिया था। दावा किया था कि सरकारी स्तर पर सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण की गई हैं। दिवाली के दिन प्रजापति परिवार के घर हुए हादसे में सरकारी दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। बड़ा सवाल यह है की सुरक्षा में यह चूक का जिम्मेदार जिला प्रशासन है या फिर नगर पालिका सीएमओ की स्वेच्छाचारिता।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने की प्रेसवार्ता



घर में आगजनी की घटना होने के बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति ने प्रेसवार्ता के माध्यम से नपा, प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाये।उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि इतने महत्वपूर्ण त्यौहार पर जिसमें आगजनी की घटनाएं होने की संभावनाएं अत्यधिक रहती है उसके बाद भी नगर पालिका सीएमओ छुट्टी पर किसके भरोसे गये। क्या उन्होने समक्ष अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी थी। प्रजापति ने कहा कि पिछले वर्षों के मुकाबले नगर पालिका के कर करीब दोगुने हो गये है। जिमसें फायर टैक्स भी शामिल है। इसके बावजूद आग जैसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यवस्था ठीक क्यों नही है। उन्होंने इस पर जवाबदेही तय करने की मांग की है। आयोजित प्रेसवार्ता में प्रजापति ने कहा कि नपा कार्यालय से पांच मिनट से भी कम दूरी पर होने के बावजूद दमकल वाहन करीब आधे घंटे बाद पहुंचा वाहन का प्रेशर पंप भी खराब था और उसमें पर्याप्त पानी नही था। प्रजापति ने प्रशासन और नगर पालिका प्रबंधन से पूछा कि दीपावली जैसे त्यौहार पर जब आग लगने की आशंका ज्यादा रहती है तब नगर पालिका के सीएमओ छुट्टी पर किसके भरोसे गये थे? क्या उन्होंने किसी सक्षम अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी थी।

प्रजापति ने आगे कहा कि पिछले साल के मुकाबले नगर पालिका का कर करीब दोगुना हो गया है, इसमें फायर टैक्स भी शामिल है, इसके बावजूद आग जैसी घटनाओं से निपटने के लिए व्यवस्था ठीक क्यों नही है? उन्होंने इस पर जबावदेही तय करने की मांग की। उन्होंने शहर की सीमा 7 से 8 किलोमीटर तक बढ़ाने के प्रस्ताव पर भी सवाल उठाये। उनका कहना था कि बढ़ती आबादी और शहर के विस्तार को देखते हुए सुरक्षा के लिए कोई रोडमेप तैयार किया गया है या नही यह साफ होना चाहिए। प्रजापति के मुताबिक आग घनी आबादी वाले इलाके में लगी थी समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो लोगों की जान और संपत्ति का नुकसान हो सकता था, उन्होंने ऐसी घटनाओं को रोकने आपात स्थिति में तुरंत कार्यवाही करने और नगर पालिका व प्रशासन की जबावदेही तय करने की मांग की।

धार्मिक भावनाएं आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में कार्रवाई की मांग

नरसिंहपुर यशभारत। जिले में सर्व सनातन समाज की ओर से धार्मिक भावनाओं को आहत करने, जातिगत वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोपों को लेकर जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की गई है। पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व मंडी अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल, समाजसेवी सुनील कोठारी, संत छोटे सरकार ठाकुर सरपंच ग्राम भामा सहित अनेक सामाजिक धार्मिक लोगो की उपस्थिति में सौपे इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 5 नवंबर को ग्राम मुंगवानी में प्रीतम उईके निवासी जिला सिवनी द्वारा कथित रूप से धर्म परिवर्तन संबंधी गतिविधियों और शासकीय परियोजना के निरस्तीकरण को लेकर आपत्तिजनक वक्तव्य दिए गए। आरोप है कि इन वक्तव्यों के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए अनुचित प्रलोभन देने तथा सनातन हिंदू संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के विरुद्ध अपमानजनक बातें कहकर धार्मिक भावनाएं आहत करने का प्रयास किया गया ज्ञापन में राधे झारिया निवासी लम्हेटा, जबलपुर तथा नीलेश काकोड़िया निवासी ग्राम गोरखपुर जिला नरसिंहपुर के संबंध में भी आरोप लगाते हुए उनकी भूमिका की जांच की मांग की गई है। आवेदकों का कहना है कि इस प्रकार के वक्तव्यों से विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य और तनाव उत्पन्न होने की आशंका है, जिससे सामाजिक शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से सर्व समाज के बैनर तले एकत्रित हुए व्यक्तियों ने उक्त कथित वक्तव्यों की वीडियो, ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं सोशल मीडिया सामग्री की जांच कराने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की आवेदन के साथ वीडियो एवं ऑडियो रिकॉर्डिंग, शिकायत आवेदन की प्रति, न्यूज पेपर की कटिंग तथा एफआईआर की प्रति सहित अन्य दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। आवेदकों ने प्रशासन से मामले



दो पक्षों में हुआ विवाद, दो युवकों पर धारदार ब्लड मारकर किया घायल,

तेंदूखेड़ा यशभारत। तेंदूखेड़ा में रात्रि के समय के समय बड़े ग्राउंड स्टेडियम में छह युवकों में विवाद हो गया तीन युवक पराग पटेल, गौरव विश्वकर्मा और ऋषभ चौधरी कोचिंग के पंपलेट लगाने गय हुए थे वहां पर पहले से युवक स्टेडियम ग्राउंड पर बैठे हुए थे जिसमें पंपलेट लगाने को लेकर विवाद होने लगा दोनों पक्षों में मारपीट के दौरान एक पक्ष के रवि ठाकुर दूसरे पक्ष के दो युवक पराग पटेल और गौरव विश्वकर्मा को धारदार नुकीले ब्लेड मार दी





जिससे पराग पटेल पेट, पीठ और मुह में चोट पहुंची दूसरे युवक के हाथ में लगी मारपीट करने वाला युवक रवि ठाकुर उत्तरप्रदेश का रहने वाला है जो किसी कंपनी में कार्य करता है एवं यहा किराए के मकान में रहता पराग पटेल, गौरव विश्वकर्मा, त्रषभ चौधरी तीनो के साथ रवि ठाकुर द्वारा धारदार ब्लेड से हमला किया गया तीनों युवक वार्ड क्रमांक 7 के रहने वाले हैं रवि ठाकुर एवं उसके अन्य साथी वार्ड क्रमांक 3 में रहते हैं पीड़ित पक्ष द्वारा आरोपियों के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई गई जिसमें धारा 296, 118, 351 धाराओं में मामला दर्ज किया गया एवं आरोपी को जेल भेजा गया आरोपी को पकड़ने में सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र राजपूत, प्रधान आरक्षक संजय शाह, आरक्षक बहादुर कुशवाहा, नारान मराबी की सराहनीय भूमिका रही

लगभग 2 किलोग्राम गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

गोटेगांव यशभारत। बीते 10 नवंबर को थाना ठेमी क्षेत्रांतर्गत सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति शेड नदी पुल के पास, बेलखेड़ी के समीप अवैध गांजा लेकर आने वाला है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई। इसी दौरान मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए का एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो वह पुलिस को देखकर भागने लगाए किंतु पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम दिलीप लोधी पिता लालसिंह लोधी उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम शेड मगरधा थाना ठेमी बताया। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से लगभग 2 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 50,000 है। आरोपी के विरुद्ध थाना ठेमी में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।



गाय हमारी जीवनदायनी मां है, गौमाता क्रीड़ा उत्सव पर हुआ पूजन

करेली यशभारत। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गौ पूजन का आयोजन लिंगा बैहर में किया गया। अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि गाय में सबसे ज्यादा प्रतिरोधक क्षमता रहती है सारी बीमारियों का इलाज गाय के गौमूत्र में है बीमारियों को गाय हर लेती है गाय के गोबर से चर्म रोग जैसे रोग को खत्म करने की शक्ति होती है पृथ्वी के प्रलय के समय एक ही चीज बचेगी और वह गाय गाय अदभुत चीज है गाय जैविक कृषि का आधार है सभी को गौपालन करना चाहिए जिस घर में गाय रहती है वहां लक्ष्मी का वास रहता है गाय हमारी जीवनदायिनी है ग्रामीण अर्थ व्यवस्था का आधार है गाय अध्यक्षता करते हुए रीवा व ग्वालियर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु डॉ राजकुमार आचार्य ने कहा कि गाय का प्रतिवर्ष पूजन करते हैं हमें गौरक्षण के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए गाय एक ऐसा पशु है



जिसको माता का रूप दिया गया है गाय सनातन परंपरा की धरोहर इसकी पूजन करना चाहिए। इस मौके पर राकेश प्रताप पटेल लाल साहब मिश्रा, अमोल यादव आदि ने गौ माता का पूजन वैदिक मंत्रोच्चारण के द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम का संचालन मां नर्मदा स्वच्छता समिति संयोजक राजकुमार कौरव ने किया तथा आभार मानद पशु कल्याण अधिकारी भागीरथ तिवारी ने किया स आमंत्रित अतिथियों ने गौपालक का शाल श्रीफल देकर सम्मान किया स इस अवसर तुलसीराम राठौर, संतोष मेहरा, गजेन्द्र आचार्य, अयोध्या तिवारी,रामगोपाल सोनी, सुनील नौरिया अभिषेक दुबे छोटू, प्रमोद नेमा, दुर्गेश मेहरा, दीपक शर्मा, अनिल शर्मा, विक्रम कटारे, शुभम नौरिया, आकाश साहू, गुड्डू नौरिया आदि उपस्थित रहे स गौ पूजन के बाद प्रसाद का वितरण किया

गौ पीठाधीश्वर महाराज जी का युवा नेता के निज निवास पर हुआ भव्य आगमन

गोटेगांव यशभारत। गौ पीठाधीश्वर महंत पंडित विपिन बिहारी दास जी महाराज का युवा नेता समाजसेवी शंकर राय के निज निवास पर मंगलमय आगमन हुआ। महाराज श्री के आगमन पर परिवारजनों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने पुष्पमाला पहनाकर, तिलक लगाकर एवं आरती उतारकर आत्मीय स्वागत किया। पूरे वातावरण में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास की अनुपम छटा देखने को मिली। महाराज श्री ने कहा कि भगवान की भक्ति जब कला के रूप में प्रकट होती है तो वह और भी दिव्य हो जाती है। उन्होंने युवा नेता शंकर राय को दिव्य आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मकता समाज को नई प्रेरणा देती है और युवाओं को अपनी संस्कृति व परंपरा से जोड़ने का कार्य करती है। इस अवसर पर युवा नेता शंकर राय द्वारा अपने हाथों से नारियल की नट्टी से निर्मित भगवान जगन्नाथ जी एवं कछुआ की सुंदर प्रतिकृति महाराज श्री को सादर भेंट की गई। इस अनूठी कलाकृति को देखकर महाराज श्री अत्यंत प्रसन्न हुए। उन्होंने कलाकृति की बारीकीए सृजनशीलता और भावना की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। महाराज श्री के आगमन से क्षेत्र में हर्ष का वातावरण बना रहा। उपस्थित लोगों ने महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया और गौसेवा, धर्म एवं समाजसेवा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।



साईं मंदिर में धूमधाम से मनाया गया स्थापना वर्ष महोत्सव

गोटेगांव यशभारत। जागृति नगर स्थित श्री साईं मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी साईं मंदिर का स्थापना वर्ष महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। महोत्सव के अवसर पर सुबह विधि-विधान से पूजा अर्चना के पश्चात बाबा साईंनाथ को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण किया गया। वहीं शाम को मंदिर परिसर में भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सम्मिलित होकर बाबा साईंनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संगीत कलाकारों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु भावविभोर होकर बाबा की भक्ति में लीन नजर आए। आयोजन में क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर महोत्सव को सफल बनाया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।



गोवर्धन पर्व पर कान्हा शिवाय गौ आश्रम में हुआ भव्य कार्यक्रम

गोटेगांव यशभारत। गोवर्धन पर्व के पावन अवसर पर कान्हा शिवाय गौ आश्रम में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गौपूजन एवं गौसेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गौवंश के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मणि नागेंद्र सिंह फाउंडेशन के सचिव इंजीनियर सरदारसिंह पटेल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक महेंद्र नागेश ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंकज चौकसे, शक्ति सिंह राजपूत, राजेश राजपूत कान्हा शिवाय गौ आश्रम के संचालक तथा रामजी पटेल, दीपक अग्रवाल, डॉ. जीके पटेल पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गौपालन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गोपाल कृष्ण पुरस्कार योजना अंतर्गत गोपालक सम्मान समारोह कार्यक्रम में



प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 1 लाख रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 25 हजार रुपये की पुरस्कार राशि सीधे खाते में अंतरण की गई। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि गौसेवा, गौसंरक्षण एवं संवर्धन भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोवंश का संरक्षण करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों से गौपालकों एवं पशुपालकों को प्रोत्साहन मिलता है और समाज में गौसेवा के प्रति जागरूकता बढ़ती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गौसेवक, गौपालक, मातृ शक्ति एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प

मड़ई मेले का हुआ शुभारंभ, पारंपरिक लोककला देखने उमड़ा जनसैलाब



गोटेगांव यशभारत। दीपावली पर्व के बाद द्वितीया तिथि से गोटेगांव क्षेत्र में पारंपरिक मड़ई मेलों की शुरुआत हो जाती है। इसी प्राचीन लोकपरंपरा के तहत श्रीनगर में भी अहीर नृत्य और पारंपरिक उत्साह के साथ मड़ई मेले का शुभारंभ हुआ। मेले की शुरुआत के साथ ही पूरे गांव में उत्सव और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस आयोजन में छोटे-छोटे ग्वाल-बालों से लेकर बुजुर्गों और समाज के सभी वर्गों के लोगों ने बढ़चढ़कर सहभागिता की। मड़ई मेले के शुभारंभ अवसर पर गांव के लोगों की एक पारंपरिक टोली निकाली गई। ग्रामीण भाषा में इस सामूहिक टोली को पाहुआ कहा जाता है। यह टोली गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए पारंपरिक रूप से मड़ई मेला स्थल तक पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह लोगों ने इस पारंपरिक आयोजन का आनंद लिया और लोक संस्कृति से जुड़े इस उत्सव का स्वागत किया।

मेला स्थल पर पहुंचने के बाद अहीर नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। ढोल मृदंग और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर कलाकारों ने अपनी कला और हुनर का मनमोहक प्रदर्शन किया। कलाकारों के कदमों की लय, पारंपरिक नृत्य शैली और जोश ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों को देखने के लिए आसपास के गांवों सहित दूरदराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। युवा, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने मिलकर इस सांस्कृतिक आयोजन का आनंद लिया। मड़ई मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज की एकता, आपसी भाईचारे और पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को जीवित रखने का महत्वपूर्ण अवसर भी है।

क्षेत्र में दीपावली के बाद आयोजित होने वाले मड़ई मेले ग्रामीण संस्कृति की विशिष्ट पहचान हैं। इन आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और लोककलाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। विशेष बात यह है कि इसमें छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी की सहभागिता रहती है, जिससे सामूहिकता और सामाजिक समरसता की भावना मजबूत होती है। यह आयोजन गांव पटेल के द्वारा कराया जाता है। श्रीनगर में अहीर नृत्य के साथ मड़ई मेले की शुरुआत ने एक बार फिर क्षेत्र की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। ग्रामीणों

जगमग दीपों की रोशनी से रोशन हुआ श्रीराम मंदिर परिसर





करेली यशभारत। नगर के प्रमुख देवालय श्रीराम मंदिर में श्रीराम मंदिर सेवा समिति द्वारा सामूहिक दीपोत्सव का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मंदिर परिसर व दरबार में लगभग 11 हजार दीपक प्रज्वलित किए गए। करीब 10 बजे से लेकर रात्रि 12 बजे तक स्थानीय सहित ग्रामीण अंचलों से लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे और प्रभुश्री राम के चरणों में 11 दिये भी जलाएं।

इस अवसर पर भव्य आतिशबाजी का भी आयोजन किया गया। वही मंदिर के शिखर पर फायर शो के साथ आर्कषक आतिशबाजी कार्यक्रम जन आर्कषण का केन्द्र रही। लोगों ने सामूहिक रूप से एक दूसरे को मिलकर व्यक्तिगत बधाई दी थी। राममंदिर सेवा समिति के इस आयोजन में हजारों की संख्या में लोग एक साथ राम दरबार में पहुंच कर दीपावली का पर्व धूमधाम से मनाया। इस भव्य आयोजन की बड़ी संख्या में नागरिको की उपस्थित रही जिसे काफी सराहा भी गया। दीपो उत्सव कार्यक्रम सुबह 8 बजे से लेकर 1 बजे तक महिलाओं और छोटी बच्चियों द्वारा मंदिर प्रांगण में मोहक रंगोली भी सजाई गई। जिसमें प्रकृति संरक्षण, बाल अपराध, प्रदूषण मुक्ति, प्रकृति संतुलन, दीपावली शुभकामनाएं प्रकाश पर्व, सामाजिक समरसता के प्रेरणादाई संदेश भी दिए गए। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की वायरल दुर्गा प्रतिमा की रांगोली जनाकर्षण रही। करीब 50 से ज्यादा रांगोली सजाई गई, जो मुख्य गेट से होते हुए राम दरबार तक सजायी गई। वहीं सामूहिक दीपोत्सव पर लोगों ने सोशल मीडिया से ज्यादा मंदिर प्रांगण में पहुंचकर व्यक्तिगत रूप से पर्व की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया। वहीं विद्युत रोशनी के बिना ही मंदिर परिसर के अलौकिक वातावरण ने लोगों का मन मोह लिया। मंदिर में श्रद्धालुओं की उपस्थित भारी भीड़ मंदिर में प्रज्जवलित हुए 11 हजार दीपो उत्सव को कैमरे में कैद करते दिखे। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी ने भी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम सहभाग किया और कहा कि पुरानी परंपरा अनुसार लोगो को पर्वो पर देवालय दर्शन के लिये आना ही चाहिए। हम अपनी आने वाली पीढियों को सुसंस्कृत और सँस्कृति की धरोहर मंदिर के धर्ममय वातावरण से ही दे सकते है। धार्मिक व्यक्ति वही है जो प्रकृति द्वारा निर्धारित कर्तव्यों का पालन यथार्त में श्रेष्ठकर्म और सदबुद्धि रख कर करते हो। वही आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए आगे भी ऐसे कार्यक्रम को निरंतर रखने का आग्रह के साथ कहा कि राममंदिर और हुनमान मन्दिर की आरती में भी लोगो को सामूहिक सहभाग करना चाहिये और इसे दैनिक चर्या में शामिल करें। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित आम और खासजनो की भी बड़ी संख्या में

बांके बिहारी को छप्पन भोग लगाकर मनाया अन्नकूट पर्व

करेली यशभारत। नगर के सभी रामभक्तों के संयुक्त तत्वावधान में अन्नकूट महापर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रामदरबार में 56 परिवारों की सहभागिता से छप्पन भोग अर्पित किया गया। वहीं मंदिर परिसर में स्थानीय जनसहयोग से विशाल भंडारा स्नेहभोज आयोजित हुआ, जिसमें करीब आठ हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।



संध्या महाआरती के पश्चात भगवान लड्डूगोपाल को भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। देर रात तक मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। अन्नकूट पर्व पर 56 परिवारों द्वारा भगवान श्रीराम के चरणों में पांच-पांच किलो विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, खीर, हलवा, नमकीन, खुर्मी सहित विविध व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। संध्या महाआरती के बाद भोग प्रसादी का वितरण किया गया। श्रीराम मंदिर सेवा समिति, सनातन समिति एवं संध्या आरती समूह के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ बैठकर सहभोज किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान के दर्शन किए। कार्यक्रम में युवक आध्यात्म मंडल द्वारा संगीतमय भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में उत्कृष्ट रंगोली बनाने वाले विशाल रजक को मंच से सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि श्रीराम मंदिर ब्रह्मचारी जी महाराज का आध्यात्मिक केंद्र रहा है, जहां आज भी उनकी सूक्ष्म ऊर्जा का अनुभव होता है। बच्चों में संस्कार विकसित करने के लिए उन्हें प्रतिदिन मंदिर जाने और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ने की आदत डालना आवश्यक है। अन्नकूट महापर्व पर नगर के लक्ष्मी नारायण मंदिरए पुरानी गल्ला मंडी स्थित हनुमान मंदिर एवं बस्ती के राममंदिर में भी भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर धार्मिक आयोजन किए गए। वहीं गोवर्धन पूजन के लिए गाय के गोबर से बनाई गई पारंपरिक आकृतियां भी श्रद्धालुओं के

शुरुआती 2 महीने बेहद मुश्किल थे, टीम इंडिया से बाहर होने पर छलका
सूर्यकुमार यादव का दर्द



मुंबई, यशभात। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ङ्ग20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने में कामयाब रही। हालांकि, इस खिताब जीत के बाद सूर्यकुमार को न केवल कप्तानी गंवानी पड़ी, बल्कि टीम से भी बाहर कर दिया गया। सूर्या के लिए ये एक बड़ा झटका था, जिसको लेकर अब उन्होंने बड़ा बयान दिया है। सूर्यकुमार ने अब पहली बार खुलकर बताया है कि टीम से बाहर होने के बाद उनके लिए शुरुआती दो महीने कितने मुश्किल रहे। हालांकि, इस दौर में उनकी जिंदगी में एक बड़ी खुशी भी आई। मई में बेटी के जन्म के बाद उनका पूरा ध्यान परिवार की ओर चला गया। अब सूर्या ने बताया है कि वह एक बार फिर उसी जुनून के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं, जिसके साथ उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी।

सूर्यकुमार यादव ने टी20 मुंबई लीग के सेलिब्रेशन ऑफ चैंपियंस कार्यक्रम में अपने मुश्किल दौर पर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम से बाहर होना उनके लिए काफी कठिन रहा। सूर्या ने कहा कि ङ्ग20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद का समय थोड़ा मुश्किल रहा है। वह इस सच्चाई से मुंह नहीं छिपाना चाहते। अगर आप खुद के साथ ईमानदार नहीं हैं, तो खुशहाल जिंदगी जीना बहुत मुश्किल है।

टीम से बाहर होना बहुत मुश्किल

उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो टीम का हिस्सा नहीं होना बहुत मुश्किल रहा है। लेकिन इसी दौरान ढ्ढक्रके समय मई में उन्हें बेटी के रूप में बड़ी खुशी मिली। उनका पूरा ध्यान उसकी तरफ चला गया। उसके जन्म के बाद के पिछले कुछ महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। हालांकि, शुरुआती दो महीने बहुत मुश्किल थे। फिर उन्होंने सोचा कि क्यों न दोबारा वैसा ही सोचना शुरू करूं, जैसा वह पहले सोचा करता थे। जब उन्होंने क्रिकेट शुरू किया था, तब वह सिर्फ यही सोचते थे कि मुंबई के लिए एज-ग्रुप क्रिकेट खेलूं और फिर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में मुंबई का प्रतिनिधित्व करूं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में करेंगे कप्तानी



सूर्यकुमार ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ ङ्ग20 वर्ल्ड कप फाइनल में खेला था। उस मैच में भारत ने 96 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। अब वह आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की कप्तानी करते नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट के जरिए सूर्या लय हासिल करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे।

आईपीएल 2027 से पहले बहुत बड़ा ऐलान, हार्दिक पांड्या की बदली टीम

मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 से पहले एक और बड़ा ऐलान हो गया है। जिस ट्रेड को लेकर पिछले काफी दिन से चर्चा चल रही थी, आखिरकार उसने अंतिम रूप ले लिया है। हार्दिक पांड्या अब मुंबई इंडियंस को छोड़कर नई टीम में चले गए हैं। उनकी नई टीम अब पंजाब किंग्स होगी, हालांकि इसको लेकर अभी सस्पेंस है कि क्या वे पंजाब के नए कप्तान बनेंगे या फिर श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ही खेलते हुए नजर आएंगे। इसके साथ ही अर्शदीप सिंह अब पंजाब किंग्स का हिस्सा नहीं रहे हैं, वे मुंबई इंडियंस चले गए हैं। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस को छोड़कर अब पंजाब किंग्स के खेमे में शामिल हो गए हैं। एमआई और पीबीकेएस के बीच बड़ी डील हो गई है, इसका अब आधिकारिक ऐलान भी कर दिया गया है। दोनों टीमों के बीच एक एक खिलाड़ी की अदला बदली हुई है। हार्दिक पांड्या मुंबई से पंजाब चले गए हैं, वहीं अर्शदीप सिंह पंजाब को छोड़कर मुंबई चले गए हैं। दोनों प्लेयर्स की सैलरी का भी ऐलान कर दिया गया है। हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस में 16.35 करोड़ रुपये मिल रहे थे, लेकिन अब जब वे पंजा? किंग्स चले गए हैं तो उनकी सैलरी बढ़कर 18 करोड़ रुपये हो गई है। अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

दूसरी बार छूटा है हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस से साथ- मुंबई इंडियंस से ही अपने आईपीएल करियर का आगाज करने वाले हार्दिक पांड्या ने दूसरी बार अपनी टीम छोड़ी है। साल 2015 में हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ पहली बार नजर आए थे। इसके बाद वे साल कई साल तक टीम के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। साल 2022 के आईपीएल से पहले अचानक टीम ने मुंबई इंडियंस ने उन्हें रिलीज कर दिया और वे सीधे गुजरात टाइटंस चले गए और वहां की कप्तानी भी की। खास बात ये रही कि पहली ही बार में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने आईपीएल का खिताब भी अपने नाम कर लिया। इसके बाद वे साल 2023 में भी अपनी टीम को फाइनल तक ले जाने में कामयाब रहे। लेकिन साल 2024 में वे वापस मुंबई इंडियंस आ गए। इस बार रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक को टीम का नया कप्तान बनाया गया, लेकिन टीम का प्रदर्शन तब से लेकर अब तक लगातार खराब ही रहा।

श्रेयस अय्यर हैं अभी पंजाब किंग्स के कप्तान- पंजाब किंग्स की कप्तानी इस वक्त श्रेयस अय्यर कर रहे हैं, जो भारत की टी20 टीम के भी कप्तान हैं। अभी तक पंजाब की ओर से श्रेयस अय्यर को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया है, ऐसे में देखना यही होगा कि हार्दिक पांड्या टीम के लिए क्या केवल खिलाड़ी के तौर पर खेलेंगे या फिर उन्हें कोई और भूमिका भी दी जाएगी।



अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस में मिलेंगे 18 करोड़ रुपये

बात अगर अर्शदीप सिंह की करें तो उनके बारे में हमने आपको पहले ही बताया कि मुंबई इंडियंस में उन्हें 18 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। साल 2019 में पहली बार अर्शदीप सिंह की आईपीएल में पंजाब किंग्स से ही एंट्री हुई थी, तब से लेकर अब तक वे इसी टीम के लिए खेल रहे थे। इस दौरान पिछले आठ सीजन में अर्शदीप सिंह ने टीम के लिए 96 मैच खेलकर 111 विकेट अपने नाम किए हैं। खास बात ये है कि वे पंजाब के लिए अब तक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी हैं। अब दोनों खिलाड़ी नई टीम के साथ अगले सीजन नजर आएंगे, उसमें दोनों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

प्रीमियर लीग में खराब प्रदर्शन के कारण कोच कैरिक को हटा सकता है मैनचेस्टर यूनाइटेड

लंदन (ईएमएस)। प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के खराब प्रदर्शन के बाद से ही टीम के मुख्य कोच माइकल कैरिक की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। क्लब प्रबंधन प्रीमियर लीग में टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए उनके विकल्प की तलाश में है, जिसने टीम रेलीगेशन जोन में आ गयी है लगातार खराब परिणामों के चलते कैरिक के कार्यकाल पर सवाल उठने लगे है। पिछले सप्ताहांत एस्टन विला के साथ 4-4 के ड्रॉ के बाद, मैनचेस्टर 18वें स्थान पर खिसक गया है, जो सबसे निचले क्लब क्रिस्टल पैलेस से सिर्फ एक अंक ऊपर है। यह स्थिति पिछले शनिवार को नॉटिंघम फॉरेस्ट द्वारा मैनचेस्टर सिटी पर 3-1 की जीत के बाद और भी गंभीर हो गई, जिसने यूनाइटेड को सीधे रेलीगेशन के खतरे में डाल दिया। वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड के अनुसार कोच को हटाने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है पर कहा जा रहा है कि संकेत मिलने लगे हैं। वहीं इस मामले की एक रिपोर्ट के अनुसार, संभावित प्रतिस्थापन पर काम शुरू हो चुका है और लिवरपूल के खिलाफ 13 दिनों में होने वाले अहम मुकाबले से पहले ही बदलाव किया जा सकता है। कैरिक के भविष्य पर अंतिम फैसला क्लब के सह-मालिक सर जिम रैटक्लिफ और बहुमत के मालिक ग्लेजर परिवार की मंजूरी के बाद ही होगा। गौरतलब है कि कोच पद के लिए कई बड़े नाम दौड़ में हैं। यूनाइटेड स्टेट्स के मौजूदा मुख्य कोच मौरिसियो पोचेतीनो प्रमुख उम्मीदवारों में से एक माने जा रहे हैं। अगस्त में उन्होंने यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध का विस्तार किया था पर यह माना जाता है कि उस डील में ऐसी शर्तें शामिल हैं जो उन्हें विशेष नौकरियों के लिए जाने की अनुमति देंगे। कहा जा रहा है कि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व मुख्य कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन भी कैरिक की जगह ले सकते हैं। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का स्थायी मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। जनवरी में जब वह अंतरिम हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उनका कार्यकाल बेहद सफल रहा था। उन्होंने 16 में से 11 गेम जीते थे और यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया था, जो उनके आने के बाद से प्रीमियर लीग में सबसे अधिक अंक जमा करने का रिकॉर्ड था। लेकिन घरेलू फॉर्म का वह सिलसिला मौजूदा अभियान में जारी नहीं रह पाया है। यूनाइटेड ने अपने शुरुआती 10 प्रीमियर लीग गेम में से केवल एक जीता है और ब्राइटन एंड होव एल्बियन से काराबाओ कप से भी बाहर हो गया है।



आर्यवीर सहवाग ने 160 रन ठोकने के बाद खोला राज, कहा- किसी से बड़ा वादा किया था

नई दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग नाम की चर्चा जब भी होती है, तो फैंस के जेहन में तूफानी बल्लेबाजी की तस्वीर उभर आती है। वीरेंद्र सहवाग ने अपने पूरे करियर में गेंदबाजों की जमकर खबर ली। अब उनके बेटे आर्यवीर सहवाग ने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 19 एशिया कप 2026 में कमाल कर दिया। श्र के खिलाफ अहम मैच में आर्यवीर ने बल्ले से जमकर कहर बरपाया, जिसका विपक्षी गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 160 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद आर्यवीर ने अपनी इस बड़ी पारी के पीछे का राज भी बताया। दरअसल, आर्यवीर ने खुलासा किया कि श्र के खिलाफ उतरने से पहले उन्होंने किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था। मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। पिच थोड़ी टर्न कर रही थी। उन्होंने शुरुआत में ही तय कर लिया था कि लंबी बल्लेबाजी करूंगा और करीब 40 ओवर तक क्रीज पर टिके रहने की कोशिश करूंगा। पिच पर चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने डॉट बॉल की चिंता नहीं की। उन्हें पता था कि वह बाद में इसकी भरपाई कर लेंगे।



पिता से किया वादा निभाया

उन्होंने आगे कहा कि वह बड़ा स्कोर बनाना चाहते थे। उन्होंने आज किसी से बड़ा स्कोर बनाने का वादा किया था और शुक्र है कि वह ऐसा कर पाये।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान



मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा



करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर

मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर



में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।





बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं



फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।



गश्ती दल को सरेखा बीट में मृत मिला तेंदुआ

मंडला, यशभारत। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत खापा बफर परिक्षेत्र में वन गश्ती के दौरान एक नर तेंदुए का शव मिलने से वन महकमे में हलचल मच गई। यह घटना सरेखा बीट के कक्ष क्रमांक 1131 की है, जहां नियमित वन गश्ती कर रहे दल ने इस तेंदुए को मृत अवस्था में पाया। घटना की जानकारी तत्काल वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और पशु चिकित्सा दल को दी गई। सूचना मिलने पर पशु चिकित्सा अधिकारी (बैहर) डॉ. सुनील गोयल और सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी (परसवाड़ा) डॉ. नेहा आहके की टीम घटनास्थल पर पहुंची। चिकित्सकों की टीम ने मृत तेंदुए का शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) किया। प्रारंभिक जांच और शव परीक्षण के आधार पर चिकित्सकों ने तेंदुए की मृत्यु को पूर्णतः स्वाभाविक और प्राकृतिक होना बताया है। शव परीक्षण के उपरांत वन विभाग की आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी की गई। इसके पश्चात राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के निर्धारित दिशा-निर्देशों (प्रोटोकॉल) का कड़ाई से पालन करते हुए मृत तेंदुए का विधिवत भस्मीकरण कर दिया गया। इस प्रक्रिया के दौरान कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला के क्षेत्र संचालक, बैहर के नायब तहसीलदार, प्रोजेक्ट ऑफिसर, एनटीसीए प्रतिनिधि, मलाजखंड के सहायक संचालक, ग्राम पंचायत धनवार के सरपंच, ईको विकास समिति नारना के अध्यक्ष सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दीपोत्सव की रोशनी से जगमगाया शहर, आतिशबाजी से गूंजा आसमान

घर-घर में हुआ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन, रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक रंगोलियों ने बढ़ाई पर्व की रौनक

मंडला, यशभारत। जिले में दीपावली का पर्व परंपरागत उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अमावस्या की रात दीपों और रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी से शहर से लेकर गांवों तक का वातावरण जगमगा उठा। घरों एवं प्रतिष्ठानों में शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश और माता लक्ष्मी का विधि-विधान से पूजन किया गया। पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक जारी रहा। आसमान में रंग-बिरंगे पटाखों की रोशनी और गूंज ने दीपोत्सव की खुशियों को और बढ़ा दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। घरों में दीप जलाए गए और महिलाओं, युवतियों एवं बच्चों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर खुशियां मनाईं।



आकर्षक विद्युत रोशनी से जगमगाया शहर

दीपावली के अवसर पर शहर के घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया। पारंपरिक मिट्टी के दीपकों के साथ विद्युत झालरों और रंग-बिरंगी लाइटों का खूब इस्तेमाल किया गया। शाम होते ही पूरा शहर रोशनी से नहा उठा और हर ओर उत्सव जैसा माहौल दिखाई देने लगा। हालांकि आधुनिक दौर में मिट्टी के दीपकों का प्रचलन कुछ कम हुआ है, लेकिन परंपरा निभाने के लिए लोगों ने घरों में दीपक भी जलाए। विद्युत सजावट से बाजारों और प्रमुख मार्गों की रौनक देखते ही बन रही थी।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दिखा उत्साह

दीपावली के पर्व को लेकर हर आयु वर्ग के लोगों में खासा उत्साह नजर आया। परिवार के सदस्यों ने एक साथ मिलकर पूजा-अर्चना की और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद बच्चों और युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की, वहीं बड़े-बुजुर्ग भी इस खुशी में शामिल हुए। घरों में मिठाइयां बांटी गईं और रिश्तेदारों तथा परिचितों से मिलकर पर्व की खुशियां साझा की गईं। पूरे जिले में दीपावली का उल्लास देर रात तक छाया रहा।

व्यापारिक दृष्टि से भी दीपावली का विशेष महत्व माना जाता है। पर्व के अवसर पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई कर आकर्षक साज-सज्जा की और शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश एवं माता लक्ष्मी का पूजन किया। परंपरा के अनुसार पुराने बही-खातों को बंद कर नए खातों का शुभारंभ किया गया। व्यापारियों ने नए वित्तीय वर्ष और आगामी कारोबारी गतिविधियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। बाजारों में पूजन सामग्री और सजावटी सामानों की खरीदारी को लेकर भी चहल-पहल बनी रही।

दीपावली पर प्रतिष्ठानों में पूजा-अर्चना के लिए केले के मंडप की विशेष मांग रही। दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों के सामने केले के पत्तों और तनों से बने मंडप लगाकर परंपरागत तरीके से सजावट की। बाजारों में पूजन सामग्री के साथ केले के मंडप की भी खूब बिक्री हुई। लोगों ने अपनी दुकानों और व्यावसायिक संस्थानों को आकर्षक रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की थीं। केले के मंडप से सजे प्रतिष्ठानों में पूजन के दौरान पारंपरिक धार्मिक माहौल दिखाई दिया।

दीपावली के दिन घरों में सुबह से ही साफ-सफाई और सजावट का दौर शुरू हो गया था। महिलाओं, युवतियों और बच्चों ने अपने घरों के आंगन एवं प्रवेश द्वार पर विभिन्न रंगों से आकर्षक रंगोलियां बनाई। कहीं फूलों की आकृतियां तो कहीं दीपक और धार्मिक प्रतीकों वाली रंगोलियां लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थीं। माता लक्ष्मी के स्वागत के लिए घरों के मुख्य द्वार पर दीप जलाए गए और आकर्षक सजावट की गई। रंगोलियों और दीपों से सजे घरों ने दीपावली की रौनक में चार चांद लगा दिए।



बंदूक फटने से मामा की मौत, भांजा गिरफ्तार

नाना की लाइसेंसी भरमार बंदूक खाली करते समय हादसा; सीने में छर्रे लगे थे

मंडला, यशभारत। मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र के जंगलिया गांव में भरमार बंदूक फटने से हुई 45 वर्षीय भारत सिंह मार्को की मौत के मामले में पुलिस ने उनके भांजे वीरेंद्र सिंह उईके को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के समय वीरेंद्र अपने नाना की लाइसेंसी बंदूक खाली कर रहा था। मंगलवार को उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, दीपावली की देर रात करीब 70 वर्षीय राम सिंह मार्को की लाइसेंसी भरमार बंदूक खाली करने के लिए उनके नाती वीरेंद्र सिंह उईके को दी गई थी। वीरेंद्र बंदूक खाली कर रहा था, तभी अचानक वह फट गई। इस दौरान पास में खड़े उसके मामा भारत सिंह मार्को के सीने में छर्रे और बंदूक के टुकड़े लगे। गंभीर चोट आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन भारत सिंह को निजी वाहन से निवास अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर निवास पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम भी कराया। निवास थाना प्रभारी धर्मेंद्र धुर्वे के अनुसार, पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए वीरेंद्र सिंह उईके को गिरफ्तार किया है। उस पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है। मंगलवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। पुलिस बंदूक फटने की वजह और हादसे से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रखना पड़ा भारी

धमाके से 12 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल, सागर में चल रहा इलाज

सागर, यशभारत। बीना के भानगढ़ थाना क्षेत्र के पिपरासर गांव में दीपावली के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। सुतली बम फोड़ते समय बरती गई लापरवाही के चलते 12 वर्षीय एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गया है। बच्चे ने सुतली बम के ऊपर स्टील का गिलास रखकर उसमें आग लगा दी थी, जिससे हुए तेज धमाके में गिलास और पटाखा सीधे उसके पेट में जा लगा। गनीमत रही कि समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई, लेकिन परिवार पर आर्थिक संकट के बादल मंडरा रहे हैं।



पिपरासर गांव निवासी नीलेश साहू ने बताया कि वे खेत पर काम करने गए थे और घर की महिलाएं पूजा-पाठ में व्यस्त थीं। इसी दौरान उनका बड़ा बेटा अभिषेक (12 वर्ष) गांव की एक दुकान से 80 रुपए में सुतली बम खरीदकर ले आया। अभिषेक घर से स्टील का गिलास उठाकर आंगन में पहुंचा और उसने सुतली बम के ऊपर गिलास उल्टा रखकर उसमें आग लगा दी। बच्चा कुछ समझ पाता, इससे पहले ही तेज धमाके के साथ स्टील का गिलास फट गया। धमाके के बाद पटाखे और गिलास के टुकड़े उछलकर उसके पेट में जा लगे, जिससे पेट में गंभीर घाव हो गया और वह बुरी तरह झुलस गया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर परिजन तुरंत मौके पर दौड़े और उसे लेकर बीना सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे सागर रेफर कर दिया।परिजनों ने घायल बच्चे को सागर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों की टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक उसकी सर्जरी की। डॉक्टर्स का कहना है कि बच्चा फिलहाल खतरे से बाहर है, लेकिन एहतियात के तौर पर उसे तीन से चार दिन तक अस्पताल में ही भर्ती रहना होगा।

इलाज का खर्च उठाने में पसीने छूटे पिता के

घायल बच्चे के पिता नीलेश साहू ने दर्द बयां करते हुए बताया कि उनके पास महज तीन एकड़ खेती की जमीन है, जिससे उनके परिवार का गुजारा होता है। उनके दो बेटे हैं, जिनमें अभिषेक बड़ा है। घटना की खबर मिलते ही वे घर की पूरी जमा-पूंजी लेकर अस्पताल भागे। सागर के निजी अस्पताल में शुरुआती तीन घंटे के इलाज में ही 40 हजार रुपए खर्च हो चुके हैं। पिता का कहना है कि इतनी बड़ी रकम जुटाना उनके लिए बेहद मुश्किल है। अब घर की जरूरतों में कटौती कर एक-एक पैसा बचाना पड़ेगा, लेकिन आगे के इलाज का खर्च उन्हें अंदर से झकझोर रहा है।

बिना लाइसेंस पटाखे बेचने का आरोप, पुलिस जांच की बात

घटना के बाद पीड़ित पिता ने गांव के ही एक दुकानदार पर बिना लाइसेंस के अवैध रूप से पटाखे बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि गांव में खुलेआम दुकानों पर पटाखे बेचे जा रहे हैं।इस मामले में भानगढ़ थाना प्रभारी धनेंद्र यादव का कहना है कि घटना की जानकारी अभी उनके पास नहीं आई है। यदि इस तरह की कोई घटना हुई है, तो इसकी गंभीरता से जांच कराई जाएगी। दुकान पर अवैध तरीके से पटाखे रखकर बेचने की पुष्टि होने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

घर से 15 पेटी शराब जब्त

मंडला, यशभारत। जिले के ग्राम सालीवाड़ा में दीपावली की रात मोहगांव पुलिस ने एक घर से करीब 15 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त की। पुलिस ने आरोपी चमरू उइके को गिरफ्तार किया। शराब की कीमत करीब 80 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सालीवाड़ा निवासी चमरू उइके के घर में अंग्रेजी शराब रखी है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घर की तलाशी ली और शराब जब्त की। मोहगांव थाना प्रभारी राजाराम बडोले ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसमें कौन लोग शामिल हैं।



ट्राले के पीछे से निकली कार दूसरी से भिड़ी, 8 घायल

मंडला-रायपुर हाईवे पर दो कारों में टक्कर, सीसीटीवी फुटेज आया सामने, गंभीर दंपती जबलपुर रेफर

मंडला, यशभारत। मंडला-रायपुर नेशनल हाईवे-30 पर सोमवार को अंजनिया के पास मेढ़ाताल में दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों कारों में सवार 8 लोग घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल मंडला पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दंपती को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। हादसे का ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज भी सामने आया है। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में सफेद रंग की कार ट्राले के पीछे से तेज रफ्तार में निकलकर सामने से आ रही काली कार से टकराती दिखाई दे रही है। टक्कर के बाद दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

स्कॉर्पियो में मंडला का गुरवानी परिवार सवार था

जानकारी के मुताबिक, स्कॉर्पियो मंडला से रायपुर जा रही थी, जबकि क्रेटा रायपुर की ओर से आ रही थी। मेढ़ाताल के पास दोनों कारों की टक्कर हो गई। स्कॉर्पियो में जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता रोचिराम गुरवानी के बेटे मनोज गुरवानी (50), उनकी पत्नी आरती (48) और बेटे मीत (18) व विपुल (20) सवार थे। हादसे में चारों घायल हो गए।

क्रेटा सवार दंपती की हालत गंभीर

क्रेटा में रायपुर का सिन्हा परिवार सवार था, जो वृंदावन जा रहा था। कार में बुद्धेश्वर (59), उनकी पत्नी शकुंतला (55), निधि और नंदकिशोर (28) सवार थे। टक्कर में चारों को चोटें आईं। बुद्धेश्वर और शकुंतला की हालत गंभीर होने पर उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।



बाकी घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

एसपी ने रुककर घायलों को पहुंचाया अस्पताल

हादसे के समय एसपी राजेश रघुवंशी बिछिया की ओर से मंडला लौट रहे थे। उन्होंने दुर्घटना देखकर गाड़ी रोकी और घायलों की मदद की। गंभीर रूप से घायल लोगों को अपने वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं 435 राजीव वार्ड सुभाष पार्क चौराहा कंदेली नरसिंहपुर से प्रकाशित स्थानीय संपादक विक्रांत पटेल * संपादक अम्बरीष तिवारी * एवं सलाहकार संपादक श्याम कटारे (फोन- 07792-231060) डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार RNI No.MPHIN / 2015/64553 E-mail- narsinghpur@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)